



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



नं. 30]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 30, 1994/अश्विन 8, 1916

No. 30]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 30, 1994/ASVINA 8, 1916

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज आफ इंडिया

(कम्पनी सचिव अधिनियम 1980 के अधीन)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1994

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष की दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् की चौदहवीं वार्षिक रिपोर्ट ।

1 प्रस्तावना :

फा०सं० 104/22/एकटस :-कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(5) के अनुसरण में दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की परिषद् की 31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष की चौदहवीं वार्षिक रिपोर्ट और इस अधिधि के लेखों के परीक्षित विवरण तथा उन पर इन्स्टीट्यूट के कामकाज की लेखा परीक्षक रिपोर्ट प्रकाशित करती है । 31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष में इन्स्टीट्यूट की महत्वपूर्ण गतिविधियों को भी इसमें शामिल किया गया है ।

2. नई घटनाएं :

2.1 कम्पनी विधेयक, 1993 की पुरस्थापना

कम्पनी सचिव व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण घटना 14 मई, 1993 को राज्य सभा में कंपनी विधेयक, 1993 का लाया जाना था । विधेयक के खंड 312 में पूर्णकालिक व्यवसायरत सदस्यों के लिए व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्र की व्यवस्था भी गई है । संस्थान के विधेयक के खंड 312(3) में निहित प्रस्तावों पर चर्चा और विचार विमर्श के लिए 14 मई, 1993 को एक कार्यशाला का आयोजन भी किया था । उपस्थिति बहुत अच्छी थी । जिन कम्पनियों के लिए पूर्णकालिक सचिव नियोजित करना अपेक्षित नहीं है, उन्हें वार्षिक विवरणी के साथ पूर्णकालिक व्यवसायरत कंपनी सचिव से ऐसे निर्धारित कार्य में एवं ऐसे स्रोतों के अधीन उस आशय का प्रमाण पत्र वायर करने की आवश्यकता होगी कि क्या कंपनी ने अधिनियम के उपबंधों का अनुपालन किया है या नहीं । 30 जून से 1 जुलाई, 1993 तक इन्स्टीट्यूट ने कंपनी विधेयक, 1993 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन विधि, न्याय और कंपनी कार्य के माननीय राज्यमंत्री श्री एच०आर० भारद्वाज ने किया । कंपनी कार्य विभाग के

अपर सचिव श्री जी० वैकटरमन ने मुख्य भाषण दिया। संगोष्ठी में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्षेत्रीय परिषदों और इंस्टीट्यूट की शाखाओं ने भी कम्पनी विधेयक पर कई संगोष्ठियों/कार्यशालाएं आयोजित की।

विभिन्न संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में विधेयक पर विचार-विमर्श से निकले सुझावों और इंस्टीट्यूट में इस पर प्राप्त सुझावों पर इस उद्देश्य के लिए विशेषज्ञों के कोर ग्रुप द्वारा विस्तृत चर्चा और जांच की गई। कोर ग्रुप द्वारा संस्तुत सुझावों को सरकार के विचारार्थ भेज दिया गया था।

## 2.2 द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन

14 से 16 अक्टूबर, 1993 को मद्रास में आयोजित साझेदारी और विचार-विमर्श की दृष्टि से द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय एवं 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन एक शानदार सफलता थी। लगभग 600 प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें मलेशिया और श्रीलंका से आए प्रतिनिधि भी शामिल थे।

2.3 आई०सी०एस०ए० मलेशियन एसोसिएशन के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आई०सी०एस०ए० की श्रीलंकाई राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

22 व 23 जून, 1993 को कुवालालम्पुर में मलेशियन एसोसिएशन ऑफ दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड सेक्रेटरीज के अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में श्री महेश शाह, तत्कालीन अध्यक्ष, और अध्यक्ष, अनुसंधान एवं प्रकाशन के तत्कालीन वरिष्ठ निदेशक, डा० एस०पी० नारंग ने भाग लिया; इस सम्मेलन का विषय "अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में निगम क्षेत्र का संचालन" था।

8 व 9 अक्टूबर, 1993 को कोलम्बो में आई०सी०एस०ए० की श्रीलंकाई एसोसिएशन के राष्ट्रीय सम्मेलन में इंस्टीट्यूट के तत्कालीन अध्यक्ष, श्री महेश शाह और तत्कालीन उपाध्यक्ष श्री यू०के० चौधरी ने भी भाग लिया। इस सम्मेलन का विषय "उदारीकृत अन्तर्राष्ट्रीय परिवेश में व्यवसाय के समक्ष चुनौतियां" था।

## 3. परिषद्

### 3.1 अध्यक्ष और उपाध्यक्ष

1 जनवरी, 1994 को हुई बैठक में श्री महेश शाह और यू०के० चौधरी क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद से मुक्त हो गए। 1 जनवरी, 1994 से एक वर्ष के लिए ओ०पी० दानी, अध्यक्ष और के०आर० चन्द्रावे उपाध्यक्ष चुन लिए गए। परिषद् श्री महेश शाह और यू०के० चौधरी द्वारा इंस्टीट्यूट के क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में की गई मूल्यदान सेवाओं की सराहना करती है।

### 3.2 परिषद् का गठन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परिषद् के सभी सदस्य अपने पदों पर कार्य करते रहे।

### 3.3 बैठकें

परिषद् ने अनेक समिति बैठकों के अतिरिक्त इस वर्ष में पांच बैठकें रखीं।

### 3.4 समितियां आदि

परिषद् ने तीन स्थायी और छः अन्य समितियां गठित कीं। इसके अलावा परिषद् ने अपनी सहायता के लिए विभिन्न विशेषज्ञ ग्रुप और सलाहकार बोर्ड गठित किए। इनकी संरचना रिपोर्ट के परिशिष्ट "क" में दी गई है।

## 4. क्षेत्रीय परिषदें और शाखाएं :

### 4.1 क्षेत्रीय परिषदें :

परिषद् द्वारा अपने कार्यों में सहायता के लिए गठित चार क्षेत्रीय परिषदों में इस वर्ष सुचारु रूप से काम चलता रहा। इन परिषदों ने सम्मेलन, सेमीनार और बैठकें आयोजित की, विद्यार्थियों के लिए मौखिक शिक्षण और सचिवीय माड्यूलर परामर्श, पुस्तकालय सुविधाएं जीवन इति संबंधी परामर्श, नियमित रूप से समाचार बुलेटिनों के प्रकाशन तथा अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली शाखाओं को सहायता प्रदान करने जैसी सेवाओं को सम्पन्न किया। क्षेत्रीय परिषदों और शाखाओं की गतिविधियां इनके "न्यूज़लेटर्स" और चार्टर्ड सेक्रेटरी में नियमित रूप से प्रकाशित होती रही हैं। 31 मार्च, 1994 को प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग क्षेत्रीय परिषदों की आरक्षण निधि और अधिशेष तथा इसके सदस्यों और विद्यार्थियों की संख्या की स्थिति इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ख" में दी गई है।

### 4.2 शाखाएं

चार क्षेत्रीय परिषदों के क्षेत्राधिकार के अधीन गठित 36 शाखाओं ने विद्यार्थियों की शिक्षा और प्रशिक्षण तथा सदस्यों के व्यावसायिक विकास संबंधी स्थानीय गतिविधियां आयोजित कीं। वर्ष के दौरान भोपाल शाखा को अपना भवन प्राप्त हो गया है।

### 4.3 सर्वोत्तम शाखा पुरस्कारों की प्रस्तुति

14 अक्टूबर, 1993 को मद्रास में आयोजित द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और कम्पनी सचिवों के 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के अवसर पर एस० बालासुब्रमणियन अध्यक्ष, कम्पनी विधि बोर्ड और एन० शंकर, एस०चेम के भूतपूर्व अध्यक्ष और कैमिकल्स एंड प्लास्टिक्स इंडिया लि० के उपाध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक ने अप्रैल-दिसम्बर, 1991 और जनवरी-दिसम्बर, 1992 के निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किये :—

अप्रैल-दिसम्बर, 1991

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा और

आर०बी०जी०एम० मोदी सर्वोत्तम शाखा : चंडीगढ़

**सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखाएं**

पूर्वी क्षेत्र : भुवनेश्वर

उत्तरी क्षेत्र : चंडीगढ़

दक्षिणी क्षेत्र : तिरुवनंतपुरम

पश्चिमी क्षेत्र : पुणे

जनवरी-दिसम्बर, 1992

सर्वोत्तम राष्ट्रीय शाखा और

आर०बी०जी०एम० मोदी सर्वोत्तम शाखा, तिरुवनंतपुरम

सर्वोत्तम क्षेत्रीय शाखाएं

पूर्वी क्षेत्र—भुवनेश्वर

उत्तरी क्षेत्र—चंडीगढ़

दक्षिणी क्षेत्र—तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद

पश्चिमी क्षेत्र—पुणे

**5. सदस्य****5.1 सदस्यता**

इस वर्ष 584 व्यक्तियों को एसोसिएट सदस्य और 172 एसोसिएट सदस्यों को फेलो सदस्यों के रूप में प्रवेश दिया गया। 31 मार्च, 1994 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 9,328 सदस्य दर्ज थे, जिनमें 7,119 एसोसिएट तथा 2,209 फेलो सदस्य थे। 31 मार्च, 1994 को विदेश में रहते वाले सदस्यों की संख्या 166 थी। परिपद इस वर्ष के दौरान 16 सदस्यों की मृत्यु पर संवेदना प्रकट करती है।

**5.2 प्रेक्टिस प्रमाण पत्र**

इस वर्ष 159 सदस्यों को प्रेक्टिस के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए। 31 मार्च, 1994 को 699 सदस्यों के पास प्रेक्टिस प्रमाण पत्र थे, जबकि 31 मार्च, 1993 को यह संख्या 609 थी।

**5.3 सदस्यों में वृद्धि**

सदस्यों संबंधी आंकड़ों और प्रेक्टिस प्रमाणधारी सदस्यों के बारे में आंकड़ों की सारणी इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ग" में दी गई है।

**5.4 सदस्यों की सूची**

कम्पनी सचिव विनियमावली, 1982 के विनियम 161 के साथ पठित अधिनियम, की धारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल, 1994 की स्थिति के अनुसार सदस्यों की एक पूरी सूची प्रकाशित की गई है जो सदस्यों को उनके अनुरोध पर सलाई की जायेगी। इस बार सदस्यों के बीच बेहतर संप्रेषण के लिए सदस्यों के व्यवसायिक पते के साथ घर का पता, टेलीफोन नंबर और फैक्स नंबर को भी सूची में शामिल किया गया है।

**5.5 व्यवसायगत कम्पनी सचिव डायरेक्टरी**

31 अक्टूबर, 1993 की स्थिति के अनुसार प्रेक्टिसरत कंपनी सचिवों की डायरेक्टरी प्रकाशित की गई।

**5.6 सदस्यों से संबंधित अनुशासनिक मामले**

समीक्षाधीन वर्ष में सदस्यों के विरुद्ध तीन व्यवसायिक या अन्य कदाचार के तीन कथित शिकायतें थीं। किन्तु परिपद आचरण संहिता की तरफ ध्यान रखते हुए और सदस्यों से जिस नैतिकता की अपेक्षा की जाती है उसके प्रति सतर्क रहते हुए सदस्यों की आचरण संहिता लागू करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रही है।

**6. व्यवसायिक विकास और अनवरत शिक्षा कार्यक्रम**

इंस्टीट्यूट ने व्यवसायिक विकास की गतिविधियों के रूप में 7 व्यवसायिक विकास कार्यक्रम (जिनमें दूसरा अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन भी शामिल है) आयोजित किए, जिनका ब्यौरा इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "घ" में दिया गया है।

**7. प्रकाशन****7.1 चार्टर्ड सेक्रेटरी**

इंस्टीट्यूट की प्रतिष्ठित पत्रिका "चार्टर्ड सेक्रेटरी" के सामयिक प्रकाशन से इंस्टीट्यूट की सराहना होती रही है। समीक्षाधीन वर्ष में "बजट", कम्पनी विधेयक, "वित्तीय क्षेत्र" और "आई सी एस आई की रजत जयंती" पर चार विशेष अंक प्रकाशित किए, जिनकी काफी सराहना की गई थी। पत्रिका के सम्पादकीय परामर्शी बोर्ड का पुनर्गठन किया गया और बोर्ड ने पत्रिका की विषय-वस्तु पर अपनी कड़ी निगरानी जारी रखी। विधि, प्रबंध और वित्त एवं लेखा विधाओं में वर्ष 1992 के चार्टर्ड सेक्रेटरी सर्वोत्तम लेखा पुरस्कार 21वें राष्ट्रीय सम्मेलन तथा द्वितीय अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में वितरित किए गए थे। रजत जयंती पुरस्कार लेख योजना को 31 अक्टूबर, 1993 तक आगे बढ़ाया गया था। इसके बाद प्राप्त हुए लेखों को विभिन्न पुरस्कारों को प्रदान करने के लिए जांचा गया था। उन सदस्यों की समेकित सूची जिनके पास प्रेक्टिस प्रमाण पत्र हैं, पहली बार मई, 1993 के अंक में प्रकाशित की गई थी।

**7.2 भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर मार्गदर्शी टिप्पणी**

इंस्टीट्यूट ने पूंजी निर्गम पर वर्ष 1992 में मार्गदर्शी टिप्पणी प्रकाशित की थी। उक्त मार्गदर्शी टिप्पणी के प्रकाशित होने के बाद भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड द्वारा कई और स्पष्टीकरण जारी किए थे। अतः मार्च, 1994 में भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर संशोधित मार्गदर्शी टिप्पणी प्रकाशित की जिसमें सेबी के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर अद्यतन संशोधन शामिल हैं।

**7.3 भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) को दृष्टिगत रखते हुए पूंजी निर्गम की हस्तपुस्तिका**

वर्ष के दौरान भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों को दृष्टिगत रखते हुए

भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर मार्गदर्शी टिप्पणी सहित पूंजी निर्गम के संशोधित और अद्यतन संस्करण भी प्रकाशित किया गया था। इसका उद्देश्य भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर संशोधित मार्गदर्शी टिप्पणी और पूंजी निर्गम से संबंधित अद्यतन नियमावली और विनियम, मार्गदर्शी सिद्धान्त, परिपत्र आदि को शामिल कर पूंजी निर्गम पर पूर्ण और विस्तृत संदर्भ-ग्रन्थ प्रदान करना था।

7.4 लेखापरिचयों की रिपोर्ट में कमियों के संबंध में निदेशकों के उत्तरों पर अनुसंधान अध्ययन

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में कमियों सम्बन्धी निदेशकों के उत्तर पर अध्ययन, अनुसंधान एवं प्रकाशन निदेशालय द्वारा किया गया अनुसंधान अध्ययन वर्ष के दौरान पूरा हुआ और मार्च, 1994 में प्रकाशित किया गया था।

7.5 भूतपूर्व अनुसंधान, अध्ययन एवं प्रकाशन विभाग का प्रकाशन प्रभाग अध्ययन सामग्री, अनुसंधान प्रकाशनों और भासिक पत्रिका व बुलेटिन का मुद्रण तथा प्रकाशन जारी रखे हुए है। मुद्रण और प्रकाशन के अतिरिक्त पहली बार नये शुरू किए गए फाउण्डेशन पाठ्यक्रम की अध्ययन सामग्री, इंटरमिडिएट और पाठ्यक्रम से संबंधित विभिन्न अध्ययन सामग्री को पुनर्मुद्रित किया गया और विद्यार्थियों को समय पर उपलब्ध कराया गया। कम्पनी सचिव पाठ्यक्रम और फाउण्डेशन पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य प्रचार सामग्री, शोशर, हस्तपुस्तिका/प्रोस्पेक्टस के अतिरिक्त जून और दिसम्बर सत्रों के लिए मार्गदर्शी उत्तर, अनुस्मारिका, सोषनिय राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए, पृष्ठ भूमि संबंधी कागजात और इसी प्रकार कम्पनी विधेयक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु पृष्ठ भूमि संबंधी सामग्री समय पर मुद्रित की गई थी।

## 8. विशेषज्ञ ग्रुप

### 8.1 विशेषज्ञ परामर्शी ग्रुप

सिक्किम उच्च न्यायालय के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एम०एम० गुजराल की अध्यक्षता में पुनर्गठित विशेषज्ञ परामर्श ग्रुप कम्पनी विधि, उद्योग (विकास तथा विनियम) अधिनियम, प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, एम० आर०टी०पी० एक्ट, फेरा और पूंजी बाजारों से संबंधित जटिल समस्याओं पर सदस्यों को विशेषज्ञ परामर्श देता रहा है।

### 8.2 विशेषज्ञों का कोर ग्रुप

कम्पनी विधि, पूंजी बाजार, निगम विधि, कराधान तथा लेखाकर्म वित्त के क्षेत्रों में विषय विशेषज्ञता के आधार पर पहले पूर्व गठित कोर ग्रुप इस वर्ष भी परामर्श देता रहा। सरकार तथा अन्य संस्थानों द्वारा गठित सरकारी/स्टाक एक्सचेंज(जों) समितियों/अध्ययन ग्रुपों में प्रतिनिधित्व को अन्तिम रूप देने के लिए सदस्यों/विशेषज्ञों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए कोर ग्रुपों का गठन किया गया है।

मुख्यालय में कोर ग्रुप की सहायता के लिए क्षेत्रीय स्तरों पर सदस्यों/विशेषज्ञों की टिप्पणी प्राप्त करने के लिए क्षेत्रीय समन्वयकर्ता भी नियुक्त किए गए हैं। कोर ग्रुपों आधार को विस्तार प्रदान करने के लिए विषयविद्यालयों और अन्य जाने माने व्यावसायिक/शोध संगठनों के विशेषज्ञों तथा सम्बन्धित विषयों पर काम करने वाले केन्द्र सरकार के अधिकारियों को भी कोर ग्रुपों में शामिल किया गया है।

### 9. व्यवसाय को प्राप्त मान्यताएं

9.1 भारत सरकार, विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय द्वारा इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष को कम्पनी अधिनियम, एम आर टी पी अधिनियम और आई सी एस आई, आई सी ए आई/आई सी डब्ल्यू ए आई से संबंधित अधिनियमों की समीक्षा के लिए कम्पनी कार्य विभाग में गठित तीन समितियों के सदस्य के रूप में नियुक्त किया था और गठित समिति के सदस्य के रूप में कम्पनी विधेयक, 1953 के खंड 329 के अन्तर्गत स्थापित किए जाने वाले प्रस्तावित निवेशक संरक्षण विधि के उपयोग की रीति के संबंध में सिफारिश देने हेतु कहा गया था।

9.2 हमारे व्यवसाय में प्रैक्टिस वाले पक्ष को भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड (सेबी) ने मान्यता प्रदान की है। व्यवसायरत कम्पनी सचिवों को इस आशय का प्रमाण पत्र प्रदान करके मान्यता दी गई है कि पब्लिक इश्यू के खुलने से पहले कम्पनी को संप्रवर्तकों का अंशदान प्राप्त हो गया है।

9.3 मनोमणियम सुंदरानार विश्वविद्यालय, तिरुनवेली इंस्टीट्यूट की कम्पनी सेक्रेटरी उपाधि को उनके विश्वविद्यालय के वाणिज्य और संबंधित विद्याओं में पंजीकरण के उद्देश्य हेतु स्नातकोत्तर डिग्री के समतुल्य मान्यता दी है।

9.4 समीक्षाधीन वर्ष में इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा भी मान्यता प्रदान की गई है। जिन्होंने इंस्टीट्यूट की फाइनल परीक्षा उत्तीर्ण की है, बैंक ने ऐसे कर्मचारियों के निपिक से अधिकारी संवर्ग-कनिष्ठ प्रबंध ग्रेड स्केल 1 में विशेष पदोन्नति पर विचार करने के निर्णय को संसूचित किया है। ऐसे कर्मचारी न्यूनतम 3 वर्ष की संतोषजनक सेवा कर लेने के बाद पदोन्नति के लिए आवेदन कर सकते हैं।

### 9.5 सदस्यता पश्च अर्हता पाठ्यक्रम

इंस्टीट्यूट का सदस्यता पश्च अर्हता पाठ्यक्रम आरम्भ करने का प्रस्ताव सरकार को 1990 में प्रस्तुत किया गया था किन्तु निरन्तर प्रयासों के बावजूद सरकार से अपेक्षित प्रत्युत्तर प्राप्त नहीं हुआ। पूंजी बाजार और वित्तीय सेवाओं में सदस्यता के पश्च पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव सरकार के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया गया है, इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य इस उमरते हुए क्षेत्र में सदस्यों को उच्च स्तर की विशेषज्ञता के विकास में समर्थ करना है।



## 10. रोज़गार के अवसर

इंस्टीट्यूट चेम्बर्स ऑफ़ कामर्स, ग्युरो ऑफ़ पब्लिक एंटरप्राइजेज और अन्य संस्थाओं के माध्यम से अपने सदस्यों द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का प्रचार करने का अपना प्रयास जारी रखे हैं। इंस्टीट्यूट बैंकिंग विभाग साथ भी अपना प्रयास जारी रख रही है कि बैंकों में सदस्यों के लिए कैरियर स्थापित करने में प्रगति हो सके और विभिन्न बैंकों के वित्त, लेखा, विधि और मर्चेंट बैंकिंग विभागों में हमारे सदस्यों की नियुक्तियां भी हो सक। इंस्टीट्यूट, इसकी क्षेत्रीय परिषदों और शाखाएं रोज़गार सेवा योजना के अंतर्गत कम्पनियों को नौकरी के लिए सदस्यों की सूची भेजकर रोज़गार सेवाएं प्रदान करने का काम जारी रखे हैं। इस वर्ष इंस्टीट्यूट द्वारा रोज़गार सेवा योजना के अंतर्गत रखी गई उम्मीदवारों की सूची में से 74 कम्पनियों ने उपयुक्त उम्मीदवारों की सूची प्राप्त करने की सुविधा का लाभ उठाया। इन कम्पनियों को "चाटेंड सेक्रेटरी" में विश्वास देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि उन्हें और अधिक उम्मीदवारों की सूची मिल सके।

## 11. कम्पनी सचिवों का आईसबां राष्ट्रीय सम्मेलन

परिषद् के निर्णयानुसार कम्पनी सचिवों का 22वां राष्ट्रीय सम्मेलन 11 से 30 अगस्त, 1994 को पणजी, गोवा में आयोजित किया गया था, जिसका विषय "अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय की नई सीमाएं और कम्पनी सचिव" था।

## 12. विद्यार्थी सेवाएं

### 12.1 विद्यार्थियों का पंजीकरण

रिपोर्टाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट द्वारा 16,601 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए जबकि पिछले वर्ष 13,615 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। इस वर्ष के अंत में वर्तमान पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 65,385 थी, जिसमें विनियम 21(3) के अधीन बढ़ाए गए 407 विद्यार्थियों के रजिस्ट्रेशन भी शामिल हैं। पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या तथा जिन्होंने इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली हैं, उनके बारे में सारणी हम रिपोर्ट के परिशिष्ट "क" में दीया गया है। 1992-93 की तुलना में वर्ष 1993-94 में नए पंजीकरणों की संख्या में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

### 12.2 फाउन्डेशन पाठ्यक्रम की शुरुआत

शिक्षा की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप, इंस्टीट्यूट ने 10+2 स्तर के विद्यार्थियों के लिए 20-8-1993 से फाउन्डेशन पाठ्यक्रम की सुविधा का शुभारम्भ किया है। इसके परिणाम-स्वरूप कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम करने के लिए स्नातक की पूर्व-अपेक्षा की अब कोई आवश्यकता नहीं रही। फाउन्डेशन पाठ्यक्रम की शुरुआत से दिसम्बर, 1993 के बाद से प्रारम्भिक परीक्षा अब नहीं ली जाती है। सभी स्नातक इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश के पात्र हैं। तथापि, अगर स्नातकों

की मुख्य पाठ्यक्रम अर्थात् इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा में पंजीकरण हेतु पात्रता के लिए फाउन्डेशन पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण होना अपेक्षित है। 31-3-1994 तक 8,470 अभ्यर्थियों को फाउन्डेशन पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया था, जिसकी अवधि 8 माह की है।

### 12.3 शिक्षण

इस वर्ष पंजीकृत विद्यार्थियों के नाम अनिवार्यतः डाक द्वारा शिक्षण के लिए दर्ज किये गये। इस वर्ष में 11,672 शिक्षण समापन प्रमाणपत्र जारी किये गए और 1,24,414 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर विद्यार्थियों को वापस कर दिया गया था। इस वर्ष में विद्यार्थी सेवाओं से संबंधित गतिविधियों के विकेन्द्रीकरण के उपाय के रूप में, सभी क्षेत्रीय परिषदों ने डब्ल्यू आई आर सी को छोड़कर इंटर-मीडिएट पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन स्थानीय स्तर पर मूल्यांकन की सुविधा को जारी रखा। एस आई आर सी ने भी फाइनल पाठ्यक्रम की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की सुविधा प्रदान की।

12.4 मार्गदर्शी उत्तर तथा विषय-क्रम में प्रश्नों की तैयारी समीक्षाधीन वर्ष में जून, 1993 और दिसम्बर, 1993 की परीक्षाओं के मार्गदर्शी उत्तर और इंटरमीडिएट एवं फाइनल परीक्षा के सभी विषयों के विषय-क्रम में प्रश्न भी विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाये गये।

### 12.5 स्टुडेंट कंपनी सेक्रेटरी

समीक्षाधीन वर्ष में विद्यार्थियों के ज्ञान को अद्यतन बनाने के उद्देश्य से स्टुडेंट कंपनी सेक्रेटरी, मासिक पत्रिका भी नियमित रूप से प्रकाशित की गई। इस बुलेटिन की विषय-वस्तु में सुधार के उद्देश्य से इसे सम्भावकीय परामर्शी बोर्ड के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत भी लाया गया।

12.6 सी० एस० फाउन्डेशन कोर्स बुलेटिन सी० एस० फाउन्डेशन कोर्स बुलेटिन शीर्षक से द्विमासिक पत्रिका का पटना अंक फरवरी, 1994 में प्रकाशित किया गया था।

12.7 फाउन्डेशन पाठ्यक्रम के लिए अध्ययन सामग्री फाउन्डेशन पाठ्यक्रम के सभी चार प्रश्न-पत्रों की अध्ययन सामग्री विद्यार्थियों की सुविधा के लिये प्रकाशित की गई थी।

12.8 इंटरमीडिएट और फाइनल पाठ्यक्रमों के लिए नई अध्ययन सामग्री

फाउन्डेशन पाठ्यक्रम को आरम्भ करने के परिणाम-स्वरूप इंटरमीडिएट एवं फाइनल पाठ्यक्रम के विषयानुसार पाठ्यक्रम को भी युक्तिसंगत बनाया गया और इसकी पुनर्संरचना भी की गई। नए पाठ्यक्रम के अनुसार संशोधित अध्ययन सामग्री जो जून, 1994 की परीक्षा से प्रभावी है, इंटरमीडिएट और फाइनल पाठ्यक्रम के सभी विषयों के लिए प्रकाशित की गई। इसके प्रतिरिक्त अधिकांश विषयों के पूरक अध्ययन पाठ जिनमें परिवर्तनों/अद्यतनों को भी शामिल किया गया है, प्रकाशित किया गया था ताकि विद्यार्थी जहां सम्भव हो उनकी पुरानी अध्ययन सामग्री का भी उपयोग कर सकें।

### 12.9 मौखिक शिक्षण कक्षाओं की सुविधा प्रदान करना

रिपोर्टेशन वर्ष के दौरान क्षेत्रीय परिषदों, शाखाओं और आई एस आई के मौखिक शिक्षण केंद्रों द्वारा विद्यार्थियों के लिए मौखिक शिक्षण कक्षाओं की सुविधा पूरे भारत के 38 केंद्रों पर प्रदान की गई। फाउण्डेशन पाठ्यक्रम के शुरू हो जाने से, इस नेटवर्क में विस्तार की सम्भावना है ताकि और अधिक गहरों को भी इसके अन्तर्गत लाया जाए जहां मौखिक शिक्षण कक्षाएं आयोजित की जावेंगी।

### 12.10 पुस्तकालय संबंधी सुविधाएं

इंस्टीट्यूट इसके विद्यार्थियों के लिए चार क्षेत्रीय कार्यालयों, 36 शाखाओं और राउरकेला, गंजाम (उड़ीसा), अम्बाला, कालीकट एवं नासिक और गुडगांव व विजयवाड़ा स्थित आई सी एस आई सहयोगी मौखिक शिक्षा केंद्रों में उपग्रह पुस्तकालय योजना के अन्तर्गत पुस्तकालय संबंधी सुविधाओं को अद्यतन करने में समर्थ रहा है। इन पुस्तकालयों की अद्यतन बनाए रखने और अन्य जगहों पर भी पुस्तकालय योजना के निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

### 12.11 मुख्यालय का पुस्तकालय

इंस्टीट्यूट संकाय द्वारा अनुसंधान और संदर्भ प्रयोजन के लिए मुख्यालय के पुस्तकालय में अद्यतन सूचना रखी जा रही है और कंपनी सचिव व्यवसाय के हित वाले विषयों में सर्वोत्तम उपलब्ध संदर्भ सामग्री से इसे सुसज्जित करने के प्रयास जारी हैं।

### 12.12 कंपनी सचिवीय—अध्ययन और परीक्षा गाइड

विद्यार्थियों को कंपनी सचिव की परीक्षाओं के लिए अध्ययन और तैयारी करने के लिए मार्गनिर्देशन के लिए विद्यार्थियों के वास्ते एक पुस्तक “ए गाइड टू कम्पनी सेक्रेटरीशिप स्टडी एंड एग्जामिनेशन” प्रकाशित की गई है। विद्यार्थियों को सेवा प्रदान करने के अंश के रूप में 1 जुलाई, 1992 के बाद कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम के लिए जो विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं, उन सभी को यह पुस्तक निशुल्क दी जाती है।

### 12.13 “कैरियर एज कंपनी सेक्रेटरी” पर विडियो फिल्म

कंपनी सेक्रेटरीशिप के फाउण्डेशन और मुख्य पाठ्यक्रम के संबंध में कैरियर संबंधी जागरूकता उत्पन्न करने के लिए, इंस्टीट्यूट ने “कैरियर एज कंपनी सेक्रेटरी” नामक विडियो फ़ीम निकाली है। इसका प्रयोग देश के प्रत्येक भाग में कैरियर परामर्श और कैरियर संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते समय दृश्य-श्रव्य सहायक के रूप में किया जाएगा।

### 12.14 कैरियर संबंधी परामर्श

वर्ष के दौरान मुख्यालय तथा क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा अवर स्नातकों, स्नातकों तथा स्नातकोत्तरों के लिए कई कैरियर परामर्श कार्यक्रम आयोजित किये गए थे। कंपनी सचिव पाठ्यक्रम के बारे में कैरियर मार्गदर्शन करते

समय “कैरियर इन कम्पनी सेक्रेटरीशिप” ब्रोशर सहित आवश्यक साहित्य विभिन्न कानेजों संस्थाओं के विद्यार्थियों और दर्शकों में वितरित किया गया था। इसी प्रकार, बुनियादी पाठ्यक्रम का ब्रोशर विद्यालयों में 10+2 स्तर के विद्यार्थियों तथा कानेजों में अवर स्नातकों विद्यार्थियों में वितरित किया गया था। रेडियो तथा टी.वी. चैनलों के प्रसारण के अलावा अनेक समाचारपत्रों तथा ध्यावसायिक पत्रिकाओं में भी लेख प्रकाशित किये थे। कंपनी सचिव पाठ्यक्रम के बारे में आवश्यक सूचना विश्वविद्यालय रोजगार सूचना तथा देश में मार्गदर्शन व्यूरो को भी उपलब्ध कराई गई थी। उपरोक्त के अतिरिक्त, मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में कैरियर प्रदर्शनियों अर्थात् “इन्फोसेक्स” इंडिया इटरनेशनल एजुकेशन ट्रेनिंग एण्ड कैरियर फेयर आदि में भी भाग लिया। ये सभी प्रयास देश के सभी भागों में कंपनी सचिव व्यवसाय के प्रति और अधिक जागरूकता देने की दृष्टि में थे। फाउण्डेशन पाठ्यक्रम के प्रारम्भ करने से 10+2 स्तर के विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उनके हित के लिए वितरित करने हेतु विस्तृत कैरियर परामर्श साहित्य तैयार किया गया।

### 13. परीक्षाएं

#### 13.1 परीक्षाओं का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट ने दो परीक्षाएं, जून तथा दिसम्बर, 1993 में देश भर में 36 केंद्रों में तथा विदेश में एक केंद्र दुबई में आयोजित की। जून, 1993 में इन्टरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षा में क्रमशः 402 तथा 352 अभ्यर्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की जबकि, दिसम्बर, 1993 में अभ्यर्थियों की संख्या क्रमशः 708 तथा 446 थी। वर्तमान परीक्षा केंद्रों की सूची रिपोर्ट के परिशिष्ट “ब” में दी गई है।

#### 13.2 परीक्षा संबंधी आंकड़ें

जून और दिसम्बर, 1993 की परीक्षाओं में कितने परीक्षार्थी बैठे, उत्तीर्ण हुए तथा उत्तीर्ण हुए परीक्षार्थियों की प्रतिशतता को दर्शाने वाले आंकड़े इस रिपोर्ट के परिशिष्ट “छ” में दिये गये हैं।

#### 13.3 परीक्षाओं में हिन्दी माध्यम

कंपनी सचिव परीक्षाओं में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के लिए परिषद् की इच्छा के अनुसरण में इंस्टीट्यूट ने अपनी सभी परीक्षाओं के लिए हिन्दी के उपयोग को वैकल्पिक माध्यम के रूप में अनुमति दे दी है।

#### 13.4 अखिल भारतीय पुरस्कार

जून तथा दिसम्बर, 1993 में हुई फाइनल परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन के लिए “अध्यक्ष का स्वर्ण पदक” क्रमशः पूर्वी क्षेत्र के श्री अमित जैन तथा उत्तरी क्षेत्र के श्री प्रभात गुप्ता ने जीते। “पं० नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार” पूर्वी क्षेत्र के श्री अमित जैन ने प्राप्त किया। जून तथा

दिसम्बर, 1993 में हुई इंटरमीडिएट परीक्षाओं में प्रतिभाशाली प्रदर्शन के लिए "अध्यक्ष के रजत पदक" क्रमशः उत्तरी क्षेत्र के श्री प्रकाश रुझ्या तथा मुकेश कुमार सोमानी ने जीते। इसके अनिश्चित, वर्तमान अधिल भारतीय पुरस्कार और क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की घोषणा जैसे कि "स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी" बुलेटिन में की गई थी, का विवरण इस रिपोर्ट के परिशिष्ट "ज" में दिया जा रहा है।

### 13.5 योग्यता प्रमाण पत्र

जून तथा दिसम्बर, 1993 में हुई इंटरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षाओं में प्रथम दस रैंक में आने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये थे तथा उनके विवरण "चार्टर्ड सेक्रेटरी" तथा "स्टूडेंट कंपनी सेक्रेटरी" में प्रकाशित किए गये थे।

### 13.6 विद्यार्थियों को योग्यता छावृत्ति और वित्तीय सहायता

विद्यमान योग्यता (मेरिट) छावृत्ति योजना के अनुसरण में जून, 1993 और दिसम्बर, 1993 परीक्षाओं में योग्य पाये गये प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को क्रमशः 8 (आठ) तथा 15 (पंद्रह) छावृत्तियां दी गईं। इसी प्रकार, योग्यता व वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत योग्य परीक्षार्थियों को वित्तीय सहायता मंजूर की थी।

### 13.7 पुराने पाठ्यविवरण के अंतर्गत परीक्षाओं का समापन

कंपनी सचिव विनियम, 1982 में किये गये संशोधनों के परिणामस्वरूप 29 अगस्त, 1993 से अन्य बातों के साथ साथ प्रारंभिक परीक्षा को तुरंत समाप्त कर दिया गया तथा उसके स्थान पर 10+2 (या उसके समतुल्य) छेनीर्ण प्रतियोगियों के लिए फाउंडेशन पाठ्यक्रम आरंभ किया गया तथा इंटरमीडिएट तथा फाइनल परीक्षाओं की पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को युक्तिसंगत बनाया गया। पुराने पाठ्य-विवरण के अंतर्गत दिसम्बर, 1993 में इंटरमीडिएट तथा फाइनल की अंतिम परीक्षाएं हुई थीं।

## 14. प्रबन्ध/प्रेक्टिकल/प्रशिक्षण प्रशिक्षण

### 14.1 पैनाल

रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मान्यताप्राप्त कंपनियों की संख्या निम्नलिखित प्रकार से थी:

क्षेत्र	प्रबंध प्रशिक्षण	प्रेक्टिकल प्रशिक्षण
पूर्वी	07	06
उत्तरी	56	42
दक्षिणी	21	19
पश्चिमी	39	35
	123	102

इसके अलावा, पूर्णकालिक प्रैक्टिस कर रहे 30 कंपनी मनिवों को प्रतिशु प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत किया गया था। तीन कंपनियों के नाम सूची से हटा दिये गये थे।

प्रशिक्षण के लिए मान्यता प्राप्त कंपनियों की संख्या प्रशिक्षु प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पैनाल में रखे गए कम्पनी सचिवों तथा विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रायोजित विद्यार्थियों की संख्या ने संबंधित सारणी रिपोर्ट के परिशिष्ट "झ" में दी गई है।

### 14.2 प्रशिक्षण को मानीटर करना तथा मजबूत बनाना

प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए अधिक कम्पनियों को सदस्य बनाने के प्रयास जारी हैं जिसके परिणामस्वरूप अब इंटरमीडिएट/फाइनल परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रबंधकीय प्रशिक्षण एवं प्रैक्टिकल प्रशिक्षण देने के लिए अब पर्याप्त संख्या में कंपनियों ने अपने को पंजीकृत किया है। प्रशिक्षु प्रशिक्षण देने के लिए पूर्णकालिक कंपनियों सचिवों की सेवाएं भी उपलब्ध है।

### 14.3 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम

रिपोर्टधीन वर्ष के दौरान 18 सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें से दो कार्यक्रम पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद्, 3-3 कार्यक्रम उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद् तथा दक्षिणी भारत क्षेत्रीय परिषद्, 4 पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद् ने और एक-एक कार्यक्रम चंडीगढ़, जयपुर, अहमदाबाद, पुणे, हैदराबाद तथा बंगलौर शाखाओं द्वारा आयोजित किये जिनमें 537 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सचिवीय माड्यूलर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एस० एम० टी० पी०) भागीदारों के लिए माड्यूल/पाठ्यक्रम सामग्री को निगम क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन के अनुरूप आधुनिक बनाया जा रहा है। प्रश्न-उत्तर के लिए अधिक महत्व दिया जा रहा है तथा भागीदारों व संकाय के बीच मनोरंजक क्रियाकलापों द्वारा एस० एम० टी० पी० कार्यक्रमों को अधिक रोचक तथा प्रभावी बनाये गये हैं। एस० एम० टी० पी० कार्यक्रमों में नियमित रूप से प्रबंध विकास संबंधी विषयों और विशेष तौर पर नई तकनीकी पर वक्तव्य दिये जा रहे हैं। उम्मीदवार प्रबंधकीय निपुणता प्राप्त कर सके।

### 15. सम्पर्क तथा जन-सम्पर्क

15.1 इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के साथ-साथ कंपनी मनिव परीक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने की दृष्टि से, वर्ष के दौरान एक अलग जनसम्पर्क निदेशालय की स्थापना की गई है, जिसने लगातार कई प्रैस विज्ञप्तियां जारी की हैं, इसके अलावा, देश भर में "फाउंडेशन कोर्स" की मुख्य विशेषताएं बताते हुए विज्ञापनों का प्रदर्शन किया, निदेशालय "फाउंडेशन कोर्स" को पूरे भारतवर्ष में आरंभ करने के मौके पर प्रैस तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में व्यापक प्रचार करने में सहायक था। कंपनी सेक्रेटरीशिप के व्यवसाय के बारे

में जनगणना पैदा करने के उद्देश्य हेतु पत्रकार सम्मेलन टी० वी० तथा ऑल इण्डिया रेडियो पर साक्षात्कारों का प्रसारण किया गया। फाउंडेशन कोर्स को और अधिक बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूट ने कई कैरियर गाइडेंस फेयर में भाग लिया, जो एक विस्मयकारी सफलता साबित हुई। इंस्टीट्यूट द्वारा किये आने वाली विविध सेवाओं पर रंगीन सूचनात्मक बोर्ड तथा चार्ट बनाये गये। विशेषतौर पर भावी “कैरियर फेयर” के इस्तेमाल के लिए स्थाई प्रदर्शनी मामग्री रूपांकित की गई थी।

15.2 विभिन्न विद्यालयों तथा कालेजों में संपर्क कर कैरियर परामर्श कार्यक्रमों की स्वरिता को बनाये रखा गया। कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम के प्रचार को पड़ोसी देशों नामशः नेपाल तथा भूटान, में भी प्रचारित किया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रमुख उद्योगपतियों के साथ-साथ विभिन्न मंत्रालयों के साथ कई बैठकें आयोजित की गई।

15.3 21वें राष्ट्रीय समागम की तथा दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के विमर्शों की दक्षिणी प्रेस द्वारा व्यापक तौर पर कवर करने की व्यवस्था की गई। ऑल इण्डिया रेडियो तथा मद्रास दूरदर्शन केन्द्र ने भी “ग्लोबलाइजेशन ऑफ इण्डिया इकोनोमी” से संबंधित चर्चा के सार का प्रसारण किया। सम्मेलन से पूर्व प्रेस से मिलिये कार्यक्रम का भी सफल आयोजन किया गया।

15.4 माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री शिवराज पाटिल द्वारा आई० सी० एस० आई०—एन० आई० आर० सी० बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह को भी व्यापक कवरेज का प्रबंध किया गया।

15.4.1 नवनिर्वाचित अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के चुनाव संबंधी सूचना तथा उनके संदेश को हिन्दी तथा अंग्रेजी के प्रमुख समाचार-पत्रों तथा वाणिज्य पत्रिकाओं में जबरदस्त प्रचार मिला।

15.4.2 ऑल इण्डिया रेडियो, दूरदर्शन (9-2-94) तथा विजिनस इण्डिया टेलिविजन (21-3-94) को दिये अध्यक्ष के साक्षात्कार का प्रसारण कंपनी सेक्रेटरीशिप पाठ्यक्रम संदेश को “कोर्स दैट लीड्स स्ट्रेट टु ए कैरियर” के रूप में प्रसारित करने की दृष्टि से किया गया था।

15.4.3 अध्यक्ष की सजट प्रतिक्रिया को दिल्ली दूरदर्शन 1 मार्च, 1994 को रिकार्ड किया गया। इन प्रतिक्रियाओं को प्रेस द्वारा भी समाचार बनाया गया।

15.4.4 हिन्दुस्तान टाइम्स, दि हिन्दू, यू० एन० आई०, पी० टी० आई० तथा विजिनस इण्डिया मैगजीन को दिये विशिष्ट साक्षात्कार समय-समय पर प्रकाशित किये गये थे।

जिनका उद्देश्य हमारे व्यवसाय तथा इंस्टीट्यूट के उद्देश्यों/क्रिया-कलापों के बारे में देश के कौन-कौने तक पहुंचाना था। कुल मिलाकर जन-सम्पर्क निदेशालय अपने प्रथम वर्ष में ही इंस्टीट्यूट के क्रिया-कलापों को शानदार प्रचार दिलाकर पर्याप्त योगदान दे सकने में सफल रहा।

## 16. लेखें

### 16.1 आय और व्यय लेखा

इस वर्ष के आय और व्यय लेखे के वित्तीय परिणाम देखने से पता चलता है कि इस वर्ष 82.67 लाख रुपये का अधिशेष रहा जबकि पिछले वर्ष यह अधिशेष 41.20 लाख रुपये का था। अधिशेष में वृद्धि मुख्य रूप से सितम्बर, 1993 से आरंभ किये गये बुनियादी पाठ्यक्रम के कारण हुई।

### 16.2 शुल्क का पूंजीकरण

वर्तमान प्रचलित पद्धति के अनुसार एंशोशिफ्ट और फैंसो सदस्यों से प्राप्त 2.10 लाख रुपये के प्रवेश शुल्क को पूंजीकृत कर दिया है। वर्ष के अंत में पूंजीकृत रिजर्व राशि 30.82 लाख रुपये है, जो पिछले वर्ष 28.72 लाख रुपये थी।

### 16.3 स्थिर आस्ति रिजर्व

वर्तमान पद्धति के अनुसार भवन निर्माण के लिए प्राप्त दान की 1.83 लाख रुपये की राशि को सीधे स्थिर आस्ति रिजर्व खाते में विनियोजित कर दिया है। वर्ष के दौरान निर्माणाधीन आई० सी० एस० आई०—एन० आई० आर० सी० भवन परियोजना के पूर्ण होने पर, पूंजी भुगतान काफी अधिक रहा। अतः स्थिर आस्ति रिजर्व में जमा 1.83 लाख रुपये की राशि को प्रयोग में लाया गया तथा सामान्य रिजर्व में अंतरित कर दिया। उक्त राशि को छोड़कर 73.14 लाख रुपये की शेष सम्पूर्ण राशि को भूमि अधिग्रहण में खर्च की तथा भवन निर्माण का व्यय सामान्य रिजर्व से बहन किया गया।

### 16.4 सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष जो सामान्य रिजर्व का 289.18 रुपये था, वह अब बढ़कर 431.37 लाख रुपए हो गया है। इस राशि में रिपोर्टाधीन के लिए व्यय से अधिक आय का 82.67 लाख रुपये का अधिशेष भी शामिल है।

## 17. लेखापरीक्षक

कंपनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(4) के अनुसरण में मैसर्स खन्ना एण्ड अन्नाधनम, चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स, नई दिल्ली को 31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष की लेखा की लेखा-परीक्षा के लिए नियुक्त किया। लेखापरीक्षा की रिपोर्ट लेखा विवरण के साथ यहां प्रकाशित की गई है।

### 17.1 आन्तरिक लेखापरीक्षक

इंस्टीट्यूट की विकासात्मक गतिविधियों में बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए मै० ठाकुर, वैद्यनाथ अय्यर एंड कंपनी, चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स नई दिल्ली को 1 जनवरी, 1994 से



एक वर्ष के लिए इंस्टीट्यूट आन्तरिक लेखा परीक्षण नियुक्त किया गया है।

### 18. भूमि और भवन

18.1 आई० सी० एस० आई० --उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद भवन

आई० सी० एस० आई० --एन० आई० आर० सी० भवन परियोजना का निर्माण कार्य पूरा हो गया है तथा भवन का उद्घाटन 4 दिसम्बर, 1993 को किया गया था। एन० आई० आर० सी० के सात्र सामान का कार्य समाप्त हो गया है तथा नये भवन में मौखिक शिक्षक कार्य शुरू किया जा चुका है।

18.2 आई० सी० एस० आई० --डब्ल्यू०आई०आर०सी० भवन

डब्ल्यू० आई० आर० सी० की सहायता से इंस्टीट्यूट ने निम्न जोत्र प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिये नवीन बम्बई के केन्द्रीय व्यापार क्षेत्र में सी० आई० डी० सी० ओ० से 1975 वर्ग मीटर भूमि प्राप्त कर सकी है, जिसकी पट्टे की कुल राशि 26.55 लाख रुपये होगी। वर्ष के दौरान सी० आई० डी० सी० ओ० से भूमि का कब्जा अधि-ग्रहित कर लिया गया है तथा भूमि के विकास का कार्य प्रगति पर है।

18.3 भोपाल शाखा कार्यालय परिसर

इंस्टीट्यूट की सहायता से शाखा ने कार्यालय खोलने के लिए अन्वीर मैसन्, दूसरी मंजिल, 148 जोन-II, एम० पी० नगर, भोपाल में 500 वर्ग फुट का बना बनाया प्लैट 2.00 लाख रुपये में खरीदा है। प्लैट का अधिग्रहण करने के पश्चात् 5 दिसम्बर, 1993 को इसका औपचारिक तौर पर उद्घाटन किया गया।

18.4 फरीदाबाद शाखा-भूमि

शाखा ने सैक्टर 16-ए, फरीदाबाद में हरियाणा, नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद से 500 वर्ग गज भूमि 3.66 लाख रुपये में खरीदी है। इंस्टीट्यूट से समुचित सहायता मिलने पर, पूरा खरीद मूल्य हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण को भुगतान कर दिया गया। औपचारिक आवंटन पत्र को जारी करने तथा भूमि के अधिग्रहण का कार्य प्रगति पर है।

18.5 इंस्टीट्यूट द्वारा पूंजीगत अनुदान और ऋण

परिषद् ने इंस्टीट्यूट के सीमित साधनों में से क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अब तक 77.63 लाख रुपये का अनुदान और 63.09 लाख रुपए का ऋण दिया है। इन परिषदों/शाखाओं ने 212.32 लाख रुपये मूल्य के कार्यालय परिसरों का अधिग्रहण कर लिया है या अधिग्रहण कर प्रक्रिया में है। आई० सी० एस० आई० --एन० आई० आर० सी० भवन परियोजना/आई० सी० एस० आई० --डब्ल्यू० आई० आर० सी० की सी० सी० आर० टी० परियोजना की वित्त-व्यवस्था इंस्टीट्यूट तथा उक्त सम्बद्ध क्षेत्रीय परिषदों ने संयुक्त रूप से की है। शाखाओं ने अपनी भवन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए शेष राशि जुटाने के लिए अपनी व्यवस्था स्वयं की है या कर रही है। परिषद् इन शाखाओं की सराहना

करती है जिन्होंने स्वयं व्यवसाय के और विकास के लिए अपने कार्यालय परिसरों के अधिग्रहण के लिए प्रयास किया है। इन शाखाओं को इन परिसरों के अनुरक्षण तथा सुसज्जित करने और आधुनिक कार्यालय उपस्कर प्राप्त करने के लिये भी अतिरिक्त साधन जुटाने होंगे, ताकि स्थानीय सदस्यों को बेहतर सेवाएं दी जा सकें।

19. कम्पनी सचिव हितकारी निधि

1976 में परिषद् द्वारा सोसाइटी के रूप में पंजीकृत की गई कम्पनी सचिव हितकारी निधि के अब 31 मार्च, 1994 को 1472 आजीवन सदस्य हैं। वर्ष के दौरान निधि ने प्रयोगात्मक आधार पर एन आई सी से एक समूह बीमा पोलिसी इस उद्देश्य हेतु खरीदी है कि निधि के किसी आजीवन सदस्य की आकस्मिक मृत्यु होने की दशा में उसे 10,000 रुपए तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके। निधि में पूंजीगत रिजर्व और सामान्य रिजर्व की राशि 31 मार्च, 1994 को क्रमशः 8.04 लाख और 5.31 लाख रुपए है।

20. आई सी एन आई कर्मचारी पेंशन निधि न्यास का गठन

इंस्टीट्यूट ने वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट के ऐसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जिन्होंने सेवा नियमों के अनुरूप विनिर्दिष्ट अवधि के लिए सेवा की हो, को देय पेंशन राशि के भुगतान करने के उद्देश्य हेतु एक न्यास नामशः आई सी एस आई कर्मचारी पेंशन निधि न्यास का गठन किया है। पेंशन देयता के कारण बीमांकिक द्वारा निर्धारित राशि को निधि को अन्त-रित कर दिया गया है।

21. कर्मचारी कल्याण उपाय

आई०सी०एस०आई० एम्प्लाइज क्लब को 1973 में कल्याण के एक उपाय के रूप में बनाया गया था, जिसे इसकी गतिविधियों के लिए परिषद् से वित्तीय सहायता दी गई है। इस वर्ष के दौरान कर्मचारियों को स्कूटर खरीदने, भवन निर्माण आदि के लिए 4.78 लाख रुपए की पेशगियां मंजूर की गईं। कर्मचारियों को उनके सहकारी बचत तथा ऋण सोसाइटी और सहकारी ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी में सहायता करने के अलावा परिषद् ने आई०सी०एस०आई० कर्मचारी कल्याण निधि के संवर्धन में भी सहायता की, जिसके लिए पिछले सात वर्षों में हुए वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलनों की अधिशेष राशि से प्रत्येक वर्ष 10,000 रुपए का वार्षिक अनुदान दिया गया है।

22. सचिव की नियुक्ति

परिषद् ने डा० एस०पी० नारंग, जो पहले इंस्टीट्यूट के अध्ययन, अनुसंधान तथा प्रकाशन के वरिष्ठ निदेशक थे, को दिनांक 1-1-1994 से इंस्टीट्यूट का सचिव नियुक्त किया है।

23. भावी संभावना

इंस्टीट्यूट निगम परिवेश में तेजी से हो रहे परिवर्तन की चुनौतियों से अच्छी तरह अवगत है तथा सबसबों की

उन्नति के क्षेत्रों की खोज कर व्यवसाय को सुदृढ़ करने की आवश्यकता के बारे में सजग है। इस दिशा में पहले ही प्रयास आरम्भ किये जा चुके हैं। सेवा के साथ दिनांक 26 मई, 1994 को सम्पन्न हुई उच्च स्तरीय बैठक काफी उत्साहपूर्ण रही। सेवा की सैकेंडरी मार्किट परामर्शी समिति में इंस्टीट्यूट का प्रतिनिधित्व प्राप्त करने, बहुत अधिक इशुओं आदि के संचालन के लिए मर्चेंट बैंकरो द्वारा कम्पनी सचिवों को अनुपालना अधिकारी के रूप में नियुक्त करने के लिए सेवा के साथ संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के प्रयास जारी हैं। इसके अतिरिक्त उद्योग के नेतृत्वों के साथ घनिष्ठ सलमेल के लिए पहल शुरू की है और एसोसिएम के साथ संयुक्त कार्यक्रम आयोजित कर इसकी शुरुआत की है। वर्ष के दौरान, इंस्टीट्यूट ने अन्य बाणिज्य तथा उद्योग मंडलों के साथ भी संयुक्त रूप से कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव किया है ताकि कम्पनी सचिवों के व्यवसाय को उद्योग निगम क्षेत्र तथा निवेशक आवश्यकता में विस्तृत विस्तार मिल सके और इस तरह वे निगम क्षेत्र की बेहतर सेवा कर सकें। परिषद् कम्पनी सेक्रेटरीशिप की परीक्षा का आयोजन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित करने की सम्भावनाओं के लिए प्रयास कर रहा है और वह दिन दूर नहीं जब हमारा इंस्टीट्यूट अन्तर्राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट के रूप में उभरेगा।

#### 24. आभार

परिषद् केन्द्रीय सरकार के मंत्रियों और अधिकारियों, विशेष रूप से कम्पनी कार्य विभाग और भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड के प्रति उनके द्वारा इस वर्ष व्यवसाय को मार्गदर्शन प्रदान करने और इंस्टीट्यूट की गतिविधियों के विकास में अपना समर्थन देने के लिए आभार प्रगट करती है। परिषद् विभिन्न राज्य सरकारों, वित्तीय और औद्योगिक तथा निवेशक संस्थानों, सामान्य रूप से निगम क्षेत्र और देश के विभिन्न चैम्बर्स ऑफ कामर्स और ट्रेड एसोसिएशनों तथा अन्य एजेंसियों का भी आभार प्रकट करती है, जिन्होंने इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवाएं लेने में और निगम विधि, वित्त, प्रबंध तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में इनकी विशेषज्ञता को मान्यता प्रदान की है। परिषद्, क्षेत्रीय परिषद् और इनकी शाखाओं तथा इंस्टीट्यूट के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति अपनी गहन सराहना प्रस्तुत करती है, जिन्होंने इस रिपोर्टावीन वर्ष में बड़ी निष्ठा से और कर्तव्य की भावना से काम किया।

कृते इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की  
परिषद्

ह/-

ओ०पी० दानी, अध्यक्ष

नई दिल्ली

18-8-1994

परिशिष्ट-क

स्थायी और अस्थायी समितियों तथा सलाहकार ग्रुप का गठन

#### I. स्थायी समितियां

1. अनुशासन समिति	
ओ०पी० दानी	अध्यक्ष
आर०डी० जोशी	सदस्य
अमित के० सेन	सदस्य
2. परीक्षा समिति	
डा० के०आर० चन्द्राक्षे	अध्यक्ष
ए०के० मोदी	सदस्य
हरीश के० वेद	सदस्य
3. कार्यकारी समिति	
ओ०पी० दानी	अध्यक्ष
डा० के०आर० चन्द्राक्षे	सदस्य
आर०डी० जोशी	सदस्य
टी०बी० पदमनाबन	सदस्य
महेश शाह	सदस्य

#### II. अस्थायी समितियां

4. व्यवसायिक विकास समिति	
ओ०पी० दानी	अध्यक्ष
वीपिन एस० आचार्य	सदस्य
डी० पुल्लैया	सदस्य
एम०एस० राघवन	सदस्य
पी०टी० रंगामणि	सदस्य
अमित के० सेन	सदस्य
प्रमोद एस० शाह	सदस्य
हरीश के० वेद	सदस्य
5. प्रशिक्षण तथा सुविधा समिति	
डा० के०आर० चन्द्राक्षे	अध्यक्ष
वीपिन एस० आचार्य	सदस्य
आर० कृष्णम	सदस्य
ए०के० मोदी	सदस्य
टी०बी० पदमनाबन	सदस्य
पी०टी० रंगामणि	सदस्य
महेश शाह	सदस्य
प्रमोद एस० शाह	सदस्य
6. विनियमन समिति	
ओ०पी० दानी	अध्यक्ष
डा० के०आर० चन्द्राक्षे	सदस्य
आर० कृष्णम	सदस्य
एस०के० मोदी	सदस्य
टी०बी० पदमनाबन	सदस्य
अमित के० सेन	सदस्य
7. समन्वय समिति (आई०सी०ए०आई० तथा आई०सी०इस्यू०ए०आई० के साथ)	
ओ०पी० दानी	अध्यक्ष

डा० के०आर० चन्द्राक्षे	सदस्य	प्रमित के० सेन	सदस्य
विपिन एस० आचार्य	सदस्य	डी०वी०के० सिधानिया	सदस्य
डी० पुल्लैया	सदस्य	हरीश के० वेद	सदस्य
एम०एस० राघवन	सदस्य	डा० एस०पी० नारंग	सदस्य
महेश शाह	सदस्य	(संपादक और प्रकाशक)	
प्रमोद एस० शाह	सदस्य		

## 10. विशेष सलाहकार ग्रुप

जस्टिस एम०एस० गुजराल	अध्यक्ष
(सेवा निवृत्त)	
एस०एस० कुमार	सदस्य
आर०एन० बंसल	सदस्य
सी०आर० शाह	सदस्य
श्यामल सेन	सदस्य

## III. सलाहकार ग्रुप बोर्ड

## 8. संपादकीय सलाहकार बोर्ड

आर०एन० बंसल	अध्यक्ष
दलीप गोस्वामी	सदस्य
यू०पी० माथुर	सदस्य
टी०एस० कृष्णामूर्ति	सदस्य
आर०के० पाण्डे	सदस्य

परिशिष्ट-ख

क्षेत्रीय परिषदों की वित्तीय स्थिति और प्रत्येक क्षेत्र में विद्यार्थियों तथा सदस्यों की संख्या

क्षेत्रीय परिषद					
मध्य	पूर्वी भारत	उत्तरी भारत	दक्षिणी भारत	पश्चिमी भारत	
	क्षेत्र ५०	क्षेत्र ५०	क्षेत्र ५०	क्षेत्र ५०	
1	2	3	4	5	6
(क) वित्तीय स्थिति वर्ष 1993-94 में अधिगण (रुपये)	2,92,027	63,061	95,572	49,879	
31-3-94 को रिजर्व और अधिगण (रुपये)	9,90,119	3,85,531	13,03,047	6,59,658	
(ख) विद्यार्थियों और सदस्यों की संख्या—					
विद्यार्थी					
31-3-94 को	12640	18150	18990	15530	
31-3-93 को	11800	16300	17430	14479	
सदस्य					
31-3-94 को	1290	2359	2397	3282	
31-3-93 को	1166	2163	2365	3154	

परिशिष्ट-ग

एसोसिएट/फैलो और प्रेक्टिस प्रमाण-पत्र धारी सदस्यों की कुल संख्या

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
एसोसिएट सदस्य	5657	6095	6364	6789	7119
फैलो सदस्य	1600	1728	1943	2059	2209
प्रेक्टिस प्रमाण-पत्र धारी सदस्य	1225	1188	1102	609	699

## परिशिष्ट-घ

## सम्मेलन/कार्यशाला/व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

1. मई 20, 1993 को नई दिल्ली में कंपनी विधेयक, 1993 की धारा 3(3) के अंतर्गत कंपनी सचिवों द्वारा प्रमाणीकरण पर कार्यशाला 31 मई से।
2. 31 मई से 1 जून, 1993 को बंबई में कंपनी सचिवों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।
3. जून, 30 से 1 जुलाई, 1993 तक नई दिल्ली में कंपनी विधेयक, 1993 पर राष्ट्रीय सेमिनार।
4. 14-16 अक्टूबर, 1993 को भद्रास में भारतीय अर्थव्यवस्था के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर कंपनी सचिवों का बूझा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 21वां राष्ट्रीय सम्मेलन।
5. 1-5 नवम्बर, 1993 को नई दिल्ली में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अभिविन्यास कार्यक्रम।
6. 24 नवम्बर, 1993 को बम्बई में औद्योगिक विकास वित्तीय सुधार एवं विदेशी निवेश पर एक विध्वसीय सेमिनार।
7. 18-19 फरवरी, 1994 को इंदौर में निगम क्षेत्र विधि और विधि पर संयुक्त रूप से व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।

## परिशिष्ट-ङ

## विद्यार्थियों का पंजीकरण

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
कुल	157175	169337	182050	196565	213186
वर्तमान	52335	50860	55442	60081	65385

विद्यार्थियों की संख्या जिन्होंने इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा पूरी की।

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
इंटरमीडिएट	1151	709	901	845	1110
फाइनल	779	908	449	620	708

## परिशिष्ट-च

## वर्तमान परीक्षा केन्द्रों की सूची

## I. भारत

- |                |               |                   |
|----------------|---------------|-------------------|
| 1. अहमदाबाद    | 13. दिल्ली    | 25. मद्रास        |
| 2. इलाहाबाद    | 14. इतुलम     | 26. सतुरई         |
| 3. बंगलौर      | 15. गाजियाबाद | 27. मंगलौर        |
| 4. बड़ौदा      | 16. गुवाहाटी  | 28. नागपुर        |
| 5. भोपाल       | 17. हैदराबाद  | 29. पणजी          |
| 6. भुवनेश्वर   | 18. इंदौर     | 30. पटना          |
| 7. बोम्बे-I    | 19. जयपुर     | 31. पोंडिचेरी     |
| 8. बोम्बे-II   | 20. जम्मू     | 32. पुणे          |
| 9. कलकत्ता-I   | 21. जमशेदपुर  | 33. शिमला         |
| 10. कलकत्ता-II | 22. जोधपुर    | 34. तिरुवेन्मपुरम |
| 11. चण्डीगढ़   | 23. कानपुर    | 35. तिरुचिरापल्ली |
| 12. कोयम्बटूर  | 24. लखनऊ      | 36. विशाखापत्तनम  |

## II. विदेश

1. युबई



परिशिष्ट-छ				II-दिसम्बर, 1993 सत्र			
परीक्षाओं में बैठने तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या के आंकड़े							
I-जून, 1993 का सत्र				परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत				
प्रारम्भिक (प्रीलिमिनरी) इंटरमीडिएट-*	60	0	0.00	इंटरमीडिएट*			
ग्रुप I	3235	474	14.65	ग्रुप I	3488	751	21.53
ग्रुप II	4942	740	14.97	ग्रुप II	5126	1136	22.16
फाइमल**				फाइमल**			
ग्रुप I	832	309	37.13	ग्रुप I	833	451	54.14
ग्रुप II	934	417	44.64	ग्रुप II	897	398	43.25
ग्रुप III	1307	325	24.86	ग्रुप III	1498	456	30.44

\* दोनों ग्रुपों में 1306 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 54 ने परीक्षा पास की (4.13 प्रतिशत)

\*\* सभी ग्रुपों में 160 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी ग्रुपों में 21 ने परीक्षा पास की (13.12 प्रतिशत)

\* दोनों ग्रुपों में 1672 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 107 ने परीक्षा पास की (6.51 प्रतिशत)

\*\* सभी ग्रुपों में 212 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से सभी ग्रुपों में 28 ने परीक्षा पास की (13.2 प्रतिशत)।

परिशिष्ट-अ

कंपनी सचिव परीक्षा के लिए वर्ष 1993-94 के दौरान प्रदान किये गये अखिल भारतीय पुरस्कृत पुरस्कार

क्रम सं०	पुरस्कार का नाम एवं सत्र	विजेता का नाम
1.	अध्यक्ष का स्वर्ण पदक जून, 1993 दिसम्बर, 1993	अमित जैन, कलकत्ता प्रभात गुप्ता, जयपुर
2.	सी० सी० सुपरिया का नकद पुरस्कार जून, 1993 दिसम्बर, 1993	अमित जैन, कलकत्ता प्रभात गुप्ता, जयपुर
3.	राय ब्रह्मादुर सेठ गुजरमल मोदी मेमोरियल पुरस्कार जून, 1993 दिसम्बर, 1993	दीपक जैन, कलकत्ता विनोद जैन, जोधपुर
4.	सरस्वती धनु का मेमोरियल पुरस्कार जून, 1993 दिसम्बर, 1993	किसी को नहीं मुश्री मौसमी चक्रवर्ती, कलकत्ता
5.	श्रीमती मोतबाबा सामंताकामकी मेमोरियल रजत पदक दिसम्बर, 1993	किसी को नहीं

- |  |  |
|--|--|
| 6. डी० एल० मजूमदार का रजत पदक<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993  | सह-विजेता<br>(i) अमित जैन<br>(ii) राजेश कुमार, अग्रवाल, जयपुर<br>राज कुमार, शर्मा, कलकत्ता               |
| 7. डी. एल० मजूमदार का रजत पदक<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993  | अमित जैन, कलकत्ता<br>बिनोद जैन, जोधपुर   |
| 8. भूतपूर्व अध्यक्ष, चीनूभाई भार० शाह का रजत पदक<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993   | धीपक जैन, कलकत्ता<br>सह-विजेता<br>(i) प्रभात गुप्ता, जयपुर<br>(ii) बिनोद जैन, जोधपुर                     |
| 9. टैक्समैन का पुरस्कृत पुरस्कार<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993   | अमित खंडेलवाल, कलकत्ता<br>प्रभात गुप्ता, जयपुर   |
| 10. विद्यानन्द मेहता मेमोरियल पुरस्कार<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993   | सह-विजेता<br>(i) सम्पत राज चरलोट, बम्बई<br>(ii) सुनील कुमार नेरीवाल, कलकत्ता<br>राज कुमार शर्मा, कलकत्ता |
| 11. जे० बी० शानी मेमोरियल पुरस्कार<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993   | अमित जैन, कलकत्ता<br>प्रभात गुप्ता, जयपुर  |
| 12. पंडित नेहाल जयम साताश्वी वार्षिक पुरस्कृत पुरस्कार<br>(दिसम्बर, 1992 व जून, 1993 के परीक्षा परिणामों पर आधारित)<br>जून, 1993 | अमित जैन, कलकत्ता  |
| 13. अन्तराम मेमोरियल 5000 रु० का वार्षिक पुरस्कार<br>(जून, 1993 व दिसम्बर, 1993 के परीक्षा परिणामों पर आधारित)<br>दिसम्बर, 1993  | प्रभात गुप्ता, जयपुर   |
| 14. अध्यक्ष का रजत पदक<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993   | प्रकाश सूईया, मई दिल्ली<br>मुकेश कुमार सामजी, दिल्ली   |
| 15. मौजोराम जैन मेमोरियल पुरस्कार<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993  | गुश्री गायत्री भूपाल, कलकत्ता<br>सुश्री स० रूपल बीरकुमार शाह, बम्बई                                      |
| 16. टैक्समैन का पुरस्कृत पुरस्कार<br>जून, 1993<br>दिसम्बर, 1993  | गजेशमल तिवारी, गाणे<br>सह-विजेता<br>(i) के० बन्नी, मद्रास<br>(ii) संजीव कुमार झुगर, कलकत्ता              |

## परिशिष्ट-स

विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए मान्यताप्राप्त कंपनी/कंपनी सचिवों की संख्या (संख्या)

	31-3-90 की स्थिति के अनुसार	31-3-91 की स्थिति के अनुसार	31-3-92 की स्थिति के अनुसार	31-3-93 की स्थिति के अनुसार	31-3-94 की स्थिति के अनुसार
प्रबंध प्रशिक्षण	460	548	613	728	851
व्यावहारिक प्रशिक्षण	850	957	1035	1146	1248
व्यवसायगत कंपनी सचिव के साथ शिक्षता प्रशिक्षण	86	101	125	140	170

विभिन्न प्रशिक्षणों के प्रायोजित विद्यार्थियों की संख्या (संख्या)

	31-3-90 की स्थिति के अनुसार	31-3-91 की स्थिति के अनुसार	31-3-92 की स्थिति के अनुसार	31-3-93 की स्थिति के अनुसार	31-3-94 की स्थिति के अनुसार
प्रबंध प्रशिक्षण	125	129	123	192	193
व्यावहारिक प्रशिक्षण	519	664	625	518	611
सचिव के साथ शिक्षता प्रशिक्षण	82	68	87	96	83

## लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

हमने इस्टीमेट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के 31 मार्च, 1994 के तुलन-पत्र तथा इसके साथ संलग्न उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखों का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है :

- (क) हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गया, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिये प्राप्त करने आवश्यक थे।
- (ख) रिपोर्ट का संबंधाधीन तुलन पत्र और आय एवं व्यय लेखों रखी गई लेखा पुस्तकों और रिकार्डों से मेल खाते हैं।
- (ग) हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार निम्नलिखित के बारे में लेख सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं :
  - (i) इस्टीमेट के मामले से संबंधित 31 मार्च, 1994 को समाप्त अवधि के तुलन-पत्र के बारे में स्थिति।
  - (ii) उपर्युक्त तारीख का समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखों में अधिशेष से संबंधित स्थिति।

स्थान : नई दिल्ली

(के०एन० नाग)

दिनांक 18-8-1994

पार्टनर

31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	31 मार्च, 1994				31 मार्च, 1994	
		(रु० )	(रु० )	(रु० )	(रु० )	(रु० )	(रु० )
		1	2	3	4	5	6
निधि का स्रोत							
कैपिटल रिजर्व	1			30,81,825			2,872,225
स्थायी परिसम्पत्तियां	2			—			—
रिजर्व							
सामान्य रिजर्व	3			4,31,36,527			2,89,17,556
				4,62,18,352			3,17,89,781
निधि का प्रयोग							
स्थायी परिसम्पत्तियां							
ब्लॉक	4	3,58,94,142			1,94,68,502		
घटाएं: मूल्यह्रास		75,51,591	2,83,42,551		58,91,804	1,35,76,698	
जोड़ें: भूमि ऋण के निचे पेशगी		—	3,00,000		—	15,59,000	
निर्माणाधीन भवन			6,04,774	2,92,47,325		73,64,572	2,25,00,270
निवेश	5		—	55,70,025		—	1,747,917
चालू पर सम्पत्तियां							
ऋण और पेशगियां	6						
निवेश पर प्रोदभूत		2,38,327			16,40,040		
भ्याज							
हस्तगत स्टॉक		56,29,813			41,33,480		
विविध देनदार		2,31,656			4,57,488		
नकदी और बैंक शेष		1,01,48,341	1,62,48,137		1,17,50,028	179,81,036	
ऋण और पेशगियां	7	—	84,24,683			3,088,757	
घटाएं: चालू देयताएं	8		2,46,72,820			2,10,69,793	
और प्रावधान							
चालू देयताएं		1,32,71,818			1,12,20,470		
प्रावधान		—	1,32,71,818	1,14,01,002	23,07,729	1,35,28,199	75,41,594
योग :				4,62,18,352			3,17,89,781
लेखांकन नीतियों और वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां	14						

इसी तारीख की हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खन्ना एंड अन्नाधनम

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

(के० एन० नाग)

पार्टनर

नई दिल्ली,

दिनांक 18-8-1994

(एस० पी० नारग)

सचिव

(के० आर० चन्द्रावत)

उपाध्यक्ष

(ओ० पी० दानी)

अध्यक्ष



## 31 मार्च, 1994 को समाप्त वर्ष का आय तथा व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	1993-94 (रु० )	1992-93 (रु० )
1	2	3	4
<b>आय :</b>			
विद्यार्थियों तथा सदस्यों से शुल्क	9	3,57,33,848	2,47,34,431
जनरल/बुलेटिन अभिदान और विज्ञापन		34,79,403	34,40,555
प्रकाशनों की बिक्री		29,23,965	15,17,392
निवेश पर व्याज		16,00,584	19,63,369
(कुल स्रोत पर काटा गया (“ग्रुन्स”))			
सम्मेलन की अधिपति राशि		—	1,11,978
कार्यक्रमों से आय		5,63,097	2,92,830
अन्य आय	10	2,94,776	1,36,241
<b>योग</b>		<b>4,45,95,673</b>	<b>3,21,96,756</b>
<b>व्यय :</b>			
स्थापना	11	1,30,88,279	1,15,55,891
भाषा शिक्षण		59,46,169	36,27,262
प्रकाशन और कार्यालय		16,48,527	14,76,943
स्टेशनरी			
जनरल/बुलेटिन		32,26,533	25,73,188
परीक्षा व्यय		18,86,990	17,14,258
संचार व्यय	12	20,61,590	16,16,640
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को अनुदान		10,87,709	8,56,093
यात्रा और सवारी		1,41,3,365	1,12,6,568
क्षेत्रीय कार्यालय		2,85,528	3,16,932
मूल्य ह्रास	4	16,72,368	8,16,158
विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार		52,775	44,288
व्यावसायिक विकास कार्यक्रम और प्रशिक्षण		5,42,130	2,68,993
रजत जयंती		1,10,220	1,59,794
कॉन्सर्न कार्यक्रम प्रारंभ		5,90,993	—
अन्य व्यय	13	27,15,618	18,53,382
		<b>3,63,28,794</b>	<b>2,80,76,390</b>
व्यय पर अधिक आय सामान्य रिजर्व में ले जाई गई		<b>82,66,879</b>	<b>41,20,366</b>
<b>योग</b>		<b>4,45,95,673</b>	<b>3,21,96,756</b>

इसी तारीख को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

खन्ता एण्ड अन्ताधनम्

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

(के० एन. नाग)

(एस० पी० नारंग)

(के० आर० चन्द्रावत)

(ओ० पी० दानी)

पार्टनर

सचिव

उपाध्यक्ष

अध्यक्ष

नई दिल्ली

दिनांक : 18-8-94

अनुसूची-1

## पूँजी रिज़र्व

	31 मार्च, 1994 (रु०)	31 मार्च, 1993 (रु०)
पिछले लेखे के अनुसार	28,72,225	26,90,725
जोड़ें : प्रवेश शुल्क		
एम्प्लोसिएट सदस्य	1,75,200	1,57,500
फेलो सदस्य	34,400	24,000
	2,09,600	1,81,500
	30,81,825	28,72,225

अनुसूची-2

## स्थायी परिसम्पत्तियां रिज़र्व

	31 मार्च, 1994 (रु०)	31 मार्च, 1993 (रु०)
(क) भूमि—क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान	5,97,250	8,29,000
	5,97,250	8,29,000
घटाएं—सामान्य रिज़र्व में अंतरित		
(ख) भवन		
पिछले लेखे के अनुसार	—	3,75,536
जोड़ें : क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान	58,36,188	6,57,809
दान राशि (सीधे प्राप्त)	1,83,253	13,102
	60,19,441	10,46,447
घटाएं : सामान्य रिज़र्व में अंतरण		
—क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से प्राप्त अंशदान	58,36,188	6,57,809
—इंस्टीट्यूट द्वारा बहन की गई निर्माण लागत	1,83,253	3,88,638
	60,19,441	10,46,447
(ग) अन्य परिसम्पत्तियां—		
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं		
अंशदान	7,562	15,000
घटाएं : सामान्य रिज़र्व में अंतरण	7,562	15,000

टिप्पणी:—लेखांकन नीति सं० 1 के संदर्भ में 66.24 लाख रुपये की स्थायी परिसम्पत्ति के शेष को सामान्य रिज़र्व में अंतरित कर दिया है।

अनुसूची-3

सामान्य रिजर्व			
	31 मार्च, 1994 (रु.)	31 मार्च, 1994 (रु.)	
पिछले लेखे के अनुसार	2,89,17,556	2,29,06,743	
जोड़ें: स्थायी परिसम्पत्ति रिजर्व से अंतरण			
---भूमि	5,97,250	8,29,000	
---भवन	60,19,441	10,46,417	
---अन्य परिसम्पत्तियां	7,562	15,000	18,90,447
	3,55,41,809	2,47,97,190	
घटाएं: क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं की भवन श्रृण के परिवर्तन के कारण अतिरिक्त अनुदान	6,72,161		
	3,48,69,648	2,47,97,190	
जोड़ें: आय एवं व्यय लेखा के अनुसार अधिशेष	82,66,879	41,20,366	
	4,31,36,527	2,89,17,556	

अनुसूची-4

स्थायी परिसम्पत्तियां

(आंकड़े रुपये में)

मद	सकल ब्लाक			
	31-4-93 को लागत	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान बित्री/समायोजन	31-3-94 को कुल लागत
भूमि	22,65,903	27,53,750	—	50,19,653
भवन	1,16,09,269	1,28,83,282*	—	2,44,92,551
साइकिल/स्कूटर/शेड	19,993	—	—	19,993
फर्नीचर और जुड़नार	12,91,124	1,62,045	—	14,53,169
वातानुकूलक व कूलर	9,41,312	—	—	9,41,312
कम्प्यूटर	6,21,945	3,02,220	—	9,24,165
बिजली के उपस्कर	2,18,860	19,525	—	2,38,385
कार्यालय उपस्कर	12,37,188	1,54,245	14,825	13,76,608
अन्य उपस्कर	20,988	620	—	21,608
पुस्तकालय में पुस्तकें	10,18,005	1,33,478	—	11,51,483
वाहन	2,23,915	31,300	—	2,55,215
इस वर्ष का जोड़	1,94,68,502	1,64,40,465	14,825	3,58,94,142
पिछले वर्ष का जोड़	1,79,12,172	17,09,979	1,53,649	1,94,68,502
भूमि क्रय के लिए पेशगी	15,59,000	14,94,750	27,53,750**	3,00,000
पेशगियों सहित निर्माणाधीन भवन	73,64,572	57,96,079	1,25,55,877@	6,04,774
इस वर्ष का कुल जोड़	89,23,572	72,90,829	1,53,09,627	9,04,774
पिछले वर्ष का जोड़	28,42,426	62,81,146	2,00,000	89,23,572

\*गत वर्षों के दौरान भुगतान की गई 1.27 लाख रुपए की अतिरिक्त लागत सम्मिलित है, वर्ष के दौरान पूंजी में परिणत।

\*\*इस वर्ष भूमि में पूंजी परिणत।

@इस वर्ष भवनों में पूंजी परिणत।

अनुसूची-4  
(जारी)

1-4-93 को स्थिति	वर्ष के दौरान	वर्ष के दौरान समायोजन	कुल मूल्य ह्रास	31-3-94 को स्थिति	31-3-93 को स्थिति
—	—	—	—	50,19,653	22,65,903
26,34,931	10,92,882	—	37,27,813	2,07,64,738	89,74,338
19,762	77	—	19,839	154	231
7,86,091	1,67,376	—	9,53,467	4,99,702	5,05,033
6,92,488	37,323	—	7,29,811	2,11,501	2,48,824
1,45,192	1,16,846	—	2,62,038	6,62,127	4,76,753
1,20,685	18,821	—	1,39,506	98,879	98,175
7,06,254	1,10,570	12,581	8,04,243	5,72,365	5,30,934
12,883	1,836	—	14,719	6,889	8,105
7,07,774	88,743	—	7,96,517	3,54,966	3,10,231
65,744	37,894	—	1,03,638	151,577	1,58,171
58,91,804	1,672,368	12,581	75,51,591	2,83,42,551	1,35,76,698
50,68,184	8,86,158	62,538	58,91,804	1,35,76,698	—
—	—	—	—	3,00,000	15,59,000
—	—	—	—	6,04,774	73,64,572
—	—	—	—	9,04,774	89,23,572
—	—	—	—	89,23,572	—

अनुसूची-5

निवेश—लागत पर

	31-3-1993 (रु०)	वृद्धि (रु०)	विलोपन (रु०)	31-3-1994 (रु०)
सार्वजनिक उद्यमों के बंधपत्र				
नेशनल थर्मल पावर कार्पो० लि०	5,07,917	—	—	5,07,917
	10,000*	—	—	10,000*
महानगर टेलीफोन निगम लि०	2,00,000	49,80,000	2,00,000	49,80,000
इंडियन पेट्रोकेमिकल्स लि०	10,00,000	—	10,00,000	—
हिन्दुस्तान फोटोफिल्म्स मैनु० कं० लि०	10,000*	—	—	10,000*
नेशनल हाइड्रो-पावर कार्पो० लि०	20,000*	—	—	20,000*
यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया यू.एस-64 की 2550 यूनिटें	—	42,108*	—	42,108*
	17,47,917	50,22,108	12,00,000	55,70,025

टिप्पणी: (1) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के बंधपत्रों के बारे में 31 मार्च, 1993 को उनका बाजार मूल्य माहूम नहीं है।

(2) महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के बंधपत्रों का अंकित मूल्य 51 लाख रु० होते हुए भी उन्हें 49.80 लाख रुपये में खरीदा था।

\*पुरस्कार देने के लिए निर्धारित।



अनुसूची-6

## चालू परिसम्पत्तियाँ

	31 मार्च, 1994 (रु०)	31 मार्च, 1993 (रु०)
निवेशों पर प्रोदभूत ब्याज स्टॉक (इनका मूल्य प्रबंधकों द्वारा प्रमाणित मूल्य के अनुसार है)	2,38,327	16,40,040
(क) प्रकाशन	8,20,082	6,54,927
(ख) कागज	26,69,146	15,01,458
(ग) अध्ययन सामग्री	16,20,541	15,14,828
(घ) अन्य	5,20,044	4,62,267
	56,29,813	41,33,480
विविध देनदार (असुरक्षित)		
(क) अरक्षित राशि, जिनकी वसूली की संभावना है, जो छह महीने से अधिक समय से बकाया है	22,970	65,690
अन्य	2,08,686	3,91,798
	2,31,656	4,57,488
(ख) अरक्षित राशि जिनकी वसूली संदिग्ध है	2,300	5,695
घटाएं: संदिग्ध और वसूल न हो सकने वाले ऋणों के लिए रिजर्व	2,300	—
	2,31,656	5,695
नगदी और बैंक शेष		
(क) हस्तागत नगदी, डाक टिकट और ड्राफ्ट	3,75,011	1,04,590
(ख) अनुसूचित बैंकों के पास		
—व्यक्त बैंक खातों में	41,40,730*	86,13,438
—अल्प अवधि खातों में जमा	56,00,000	30,00,000
—दीर्घ अवधि खातों में जमा	32,600	97,73,330
	1,01,48,341	32,000
योग	1,62,48,137	1,79,81,036

\*पुरस्कारों के लिए 46,792 रु० (निर्धारित) शामिल है।

अनुसूची-7

## ऋण और पेशगियां (भारक्षित राशि-वसूल होने योग्य)

	31 मार्च, 1994 (रु०)	31 मार्च, 1993 (रु०)
ऋण :		
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं के भवनों के लिए	63,75,189	1,071,288
पेशगियां :		
कर्मचारी	12,41,549	1,067,869
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाएं	—	112,141
ग्राम्य	2,17,046	3,77,800
पूर्व प्रदत्त व्यय	3,65,308	2,83,988
विविध जमा राशियां	2,25,591	1,75,671
योग	84,24,683	30,88,757

अनुसूची-8

## बालू देयताएं और प्रावधान

	31 मार्च, 1994 (रु०)	31 मार्च, 1993 (रु०)
बालू देयताएं		
अग्रिम प्राप्त विद्यार्थी रजिस्ट्रेशन शुल्क	81,23,167	70,89,058
अग्रिम प्राप्त शुल्क और अन्य पेशगियां	2,21,436	1,80,927
क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं को देय अनुदान	5,91,567	8,98,059
प्राप्त धन राशियों का पुनः आवंटन	3,49,892	2,02,674
देय व्यय	31,70,697	17,78,598
शिक्षित व्यय योजना	62,200	45,200
हितकारी नीधि		
कम्पनी सचिव	47,902	41,208
कर्मचारी	15,674	52,927
	63,676	94,135
पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्राप्त धन राशि (दूसरी तरफ)	1,61,400	72,000
दान राशि का पुनः आवंटन	73,611	2,00,209
उपदान म्यास	4,39,740	6,59,610
पेंशन म्यास	14,433	—
	1,32,71,818	1,12,20,470
प्रावधान	—	23,07,729
पेंशन	—	—
योग	1,32,71,818	1,35,28,199

## अनुसूची-9

## सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

	1993-94 (₹)	1992-93 (₹)	
सदस्य :			
वार्षिक शुल्क	24,30,805	22,82,670	
अन्य शुल्क	19,150	30,550	
	24,49,955	23,13,220	
घटाएं : पत्रिका के लिए आबंटन	9,98,096	14,51,859	7,95,870 15,17,350
विद्यार्थी :			
पंजीकरण शुल्क	55,59,216	32,76,811	
छूट शुल्क	15,99,416	13,01,307	
डाक शुल्क	216,80,974	1,39,82,239	
परीक्षा शुल्क	57,99,668	52,19,673	
लाइसेंस शुल्क	1,14,220	1,02,293	
अन्य शुल्क	2,38,035	1,88,742	
	3,49,91,529	2,40,71,065	
घटाएं : बुलेटिन के लिए आबंटन	7,09,540	3,42,81,989	8,53,984 2,32,17,081
योग	3,57,33,848	2,47,34,431	

## अनुसूची-10

## अन्य आय

	1993-94 (₹)	1992-93 (₹)
कर्मचारी पेशगियों पर ब्याज	35,069	50,876
विशेष परामर्शी सेवाएं	5,000	3,000
दान	2,000	—
पुनर्लिखित अधिक प्रावधान	1,96,667	52,720
परिसम्पत्तियों के निपटान से अतिशेष	5,899	—
विविध आय	52,141	29,645
योग	2,94,776	1,36,241

## अनुसूची-11

## स्थापना व्यय

	1993-94 (रु०)	1992-93 (रु०)
वेतन और भत्ते	1,11,47,616	99,74,404
अंशदान : भविष्य निधि में	4,11,611	4,13,561
उपदान निधि में	1,88,260	1,45,772
पेंशन निधि में	4,92,901	4,47,300
कर्मचारी कल्याण	8,47,891	5,74,854
योग	1,30,88,279	1,15,55,891

## अनुसूची-12

## संचार

	1993-94 (रुपए)	1992-93 (रुपए)
डाक टिकट और तार	13,34,234	10,34,079
टेलीफोन, फीक्स और टेलक्स	7,27,356	5,82,561
योग	20,61,590	16,16,640

## अनुसूची-13

## अन्य व्यय

	1993-94 (रु.)	1992-93 (रु.)
विज्ञापन तथा प्रचार	98,085	43,252
बैंक चार्जेंज	25,978	15,990
बिजली तथा पानी	4,37,657	3,55,312
बीमा	22,251	17,749
किराया, दर तथा कर	2,01,530	1,72,065
मरम्मत तथा रखरखाव		
भवन	5,34,790	61,990
अन्य	2,08,596	2,17,766
कानूनी तथा व्यावसायिक चार्जेंज	1,36,636	1,79,235
वाहन रखरखाव	66,373	58,989
कार्यालय व्यय	2,69,930	1,95,182
कम्प्यूटीकरण		
डाटा प्रोसेसिंग	2,00,668	1,51,037
साफ्टवेयर	12,400	15,500
बैठक	96,499	75,484
पैकिंग, बुलाई और भाड़ा	2,76,177	1,90,188
बिक्री/परिसम्पत्तियों के निपटान से हानि	—	5,855
एम. आर. टी. पी. सेमीनार के लिए अंशदान	—	46,698
सुरक्षा सेवाएं	56,976	36,090
लेखा परीक्षा शुल्क	15,006	15,000
विविध खर्च	54,622	—
अशोध्य तथा संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	1,450	—
योग	27,15,618	18,53,382



## लेखांकन नीतियां और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

## (क) लेखांकन नीतियां

1. दान राशियां और क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं द्वारा अंशदान—सीधे प्राप्त दान राशियों और क्षेत्रीय/शाखाओं द्वारा भूमि/भवनों की खरीद के लिये अंशदानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों को “स्थायी परिसम्पत्ति रिज़र्व” खाते में जमा किया जाता है। इस प्रकार की परिसम्पत्तियों को खरीदने के लिए वस्तुतः उपयोग की गई राशियों को “सामान्य रिज़र्व” में अन्तर्भूत किया जाता है।

## 2. शुल्क :

- (क) फेलो और एसोसिएट सदस्यों में प्रवेश शुल्क प्राप्त होने पर उसे पंजीकृत कर दिया जाता है और “पूंजी रिज़र्व” खाते में दिखाया जाता है।
- (ख) सदस्यों से प्राप्त शुल्क की राशियों को प्रोद्भूत आधार पर हिसाब में लिया जाता है। अग्रिम में प्राप्त शुल्क को देयता के रूप में अग्रनयन किया जाता है।
- (ग) पंजीकरण शुल्क को छोड़कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क को प्राप्ति-आधार पर हिसाब में लिया जाता है। पंजीकरण शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर बांटकर आय के रूप में लिया जाता है।

## 3. निवेश :

निवेशों का मूल्य लागत के अनुसार आंका जाता है।

## 4. स्थायी परिसम्पत्तियां :

(क) स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास को लिखित मूल्य आधार पर निम्नलिखित दरों के अनुसार प्रभारित किया जाता है :

भवन	5%
फर्नीचर और जुड़नार	10%
एयरकंडीशनर/कूलर/कम्प्यूटर तथा अन्य उपस्कर	15%
पुस्तकालय की पुस्तकें	20%
वाहन	20%
शौच	33 1/3%

परिवर्धनों पर मूल्यह्रास पूर्ण वर्ष के लिये प्रभारित किया जाता है।

(ख) 1-4-1993 से लागू—पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर, जिनकी लागत 5,000 रुपये से कम है। अन्य स्थायी परिसम्पत्तियों का व्यय सीधे ही प्रभारित किया जाता है।

## 5. इन्वेंटरी :

(क) कागज तथा प्रकाशनों का मूल्यांकन उनकी लागत पर किया गया है।

(ख) अप्रचलन अध्यापन सामग्री का मूल्यांकन, उनकी लागत से अप्रचलन के लिए 10% पर किया गया।

## 6. पेंशन :

पेंशन निधि न्यास के लिए बीमाकृत मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

## 7. उपदान

उपदान न्यास में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की ग्रुप उपदान योजना के अनुसार किया गया है।

## 8. व्याज

(क) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के संचयी बंधपत्रों में किये गये निवेशों और अन्य निवेशों पर प्राप्त ब्याज को उतरी सीमा तक आय के रूप में लिया है, जितनी आय वस्तुतः हुई है।

(ख) समग्र रूप से जितनी राशि का निवेश किया गया, उसके एक भाग के रूप में स्थायी परिसम्पत्तियों में से अधिशेष निधि के निवेश पर अर्जित ब्याज का आकलन इस वर्ष उपलब्ध औसत निधि के आधार पर किया गया है तथा स्थायी परिसम्पत्तियों के रिजर्व के उमा खाते में डाल दिया है।

(ग) कर्मचारियों को उधार पर ब्याज प्राप्त करने पर खाते में लिया गया:

(ख) वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

1. 31-3-1989 को समाप्त वर्ष और उसके बाद के वर्षों के बारे में आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 10(23A)(iv) के अधीन छूट का आवेदन पत्र भारत सरकार के पास पुनर्विचार के लिये पड़ा है। इंडस्ट्रीट्रूट ने 31-3-1991, 31-3-1992 और 31-3-1993 को समाप्त वर्षों के बारे में आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 10(22) के अधीन छूट के लिये आवेदनपत्र भी आयकर निदेशक (छूट) के पास भेजा गया है। 31-3-1991 को समाप्त वर्ष के लिए आय "शून्य" आंकी गई है। शेष वर्ष का आंकलन अस्थिर है। आंकलन के अन्तिम निर्णय होने की दृष्टि से लेखों में कराधान का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

2. प्रसाद नगर, नई दिल्ली में निर्मित भवन के संबंध में मध्यस्थ ने 7-9-1993 के अपने आदेश के अन्तर्गत 10-7-1991 से 7-9-1993 तक 6.07 लाख रुपये (जो कि 12.67 लाख रुपये में सम्मिलित है) की राशि पर 12% व्याज सहित 12.67 लाख रुपये ठेकेदारों के पक्ष में दिया गया है जबकि संस्थान के विरुद्ध 57.21 लाख रु० दिा जाने का दावा है। संस्थान द्वारा दायर आपत्ति दिल्ली उच्च न्यायालय ने मामले को इस निर्देश के साथ वापस मध्यस्थ को भेज दिया कि वह अपने साथ हेतु भवन सहायकारों को तलब कर पुनः मामले पर अपनी सफाई के साथ न्यायालय को भेजे। अन्तिम निर्णय, 12.67 लाख रु० तथा अधिनिर्णित व्याज के लिए कोई भी प्रावधान नहीं किया गया है।

3. हरियाणा नगर विकास प्राधिकरण, फरीदाबाद द्वारा संस्थान की फरीदाबाद शाखा को 3.65 लाख रु० में 500 वर्ग गज की होल्ड भूमि इस शर्त पर आवंटित की है कि सक्षम प्राधिकरण/न्यायालय द्वारा भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अन्तर्गत अधि-निर्णीत भूमि मूल्य के भुगतान होने पर भूमि ही संस्थान को अंतरित होगी। दी गई 3.00 लाख रुपये की अधिम राशि को "भूमि क्रय के लिए अधिम" के रूप में दर्शाया गया।

4. खातों में सम्पत्ति कर का प्रावधान पालिका प्राधिकरणों द्वारा की गई मांग के आधार पर और/या संस्थान के अंकलन के अनुसार किया गया है। प्रावधान की गई राशि में तथा वास्तव में देय होने वाली राशि में यदि कोई अन्तर हुआ तो जिस वर्ष मामले का अन्तिम निपटारा होगा, उसी वर्ष लेखों में लिया जाएगा।

5. इंडस्ट्रीट्रूट ने इस वर्ष पिछले वर्ष सामान्य मूल्य द्वारा की तुलना में 5,000 रु० का कम लागत की परिसम्पत्तियों का पूर्ण मूल्यह्रास कर लिया है।

6. पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक फिर से वर्गीकृत/व्यवस्थित कर दिया है।

# THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 1994  
FOURTEENTH ANNUAL REPORT OF THE COUNCIL

FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1994

### 1. INTRODUCTION :

File No. : 104/22/Accts.—In pursuance of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980 (the Act), the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to publish the fourteenth annual report and the audited statements of account along with the auditors' report thereon, on the working of the Institute for the year ended 31st March, 1994. Some of the significant activities of the Institute for the year ended 31st March, 1994 have also been outlined herein.

### 2. DEVELOPMENTS :

#### 2.1 Introduction of the Companies Bill, 1993

The most important development during the year from the angle of the Company Secretaries Profession was the introduction of the Companies Bill, 1993 on May 14, 1993 in the Rajya Sabha. Clause 312 of the Bill provided for a core area of practice for members in whole time practice. The Institute organised a well attended workshop on May 20, 1993 itself to discuss and deliberate the proposals contained in Clause 312(3) of the Bill requiring companies which are not required to employ a whole-time secretary to file along with the annual return, a certificate from company secretary in whole-time practice in such form and subject to such conditions as may be prescribed as to whether the company has complied with the provisions of the Act or not. On June 30—July 1, 1993, the Institute organised the National Seminar on Companies Bill, 1993 which was inaugurated by H.R. Bhardwaj, Hon'ble Union Minister of State for Law, Justice & Co. Affairs. G. Venkataramanan, Addl. Secretary in the Department of Company Affairs delivered the key-note address. The Seminar was attended by over 300 participants. A number of seminars/workshops on the Companies Bill were also organised by the Regional Councils and Chapters of the Institute.

The suggestions which emerged out of deliberations at the various seminars/workshops as well as suggestions received in the Institute on the Bill were discussed and examined in detail by the

Core Group of experts constituted for the purpose. The suggestions recommended by the Core Group were forwarded to the Government for its consideration.

#### 2.2 Second International Conference & 21st National Convention :

The Second International Conference and 21st National Convention held at Madras on October 14—16, 1993 was a grand success in terms of participation as well as deliberations. Over 600 delegates including delegates from Malaysia and Sri Lanka attended the Convention.

#### 2.3 Participation in the MAICSA International Conference and National Conference of Sri Lankan Association of the ICOSA

Mahesh Shah, the then President and Dr. S. P. Narang the then Senior Director of Studies, Research & Publications participated in the International Conference of the Malaysian Association of the Institute of Chartered Secretaries and Administrators on June 22-23, 1993 in Kuala Lumpur on the theme "Corporate Governance in a Global Perspective".

Mahesh Shah the then President, U.K. Chaudhary the then Vice-President of the Institute also attended the National Conference of the Institute of Chartered Secretaries and Administrators of Sri Lanka held on October 8-9, 1993 at Colombo on the theme "Challenges before the Profession in liberalised Global Environment".

### 3. COUNCIL

#### 3.1 President and Vice-President

At the meeting of the Council held on 1st January, 1994 Mahesh Shah and U.K. Chaudhary relinquished the office of President and Vice-President respectively, and O.P. Dani and Dr. K. R. Chandratre were elected as President and Vice-President respectively for a period of one year from January 1, 1994. The Council places on record its appreciation of the valuable contribution made by Mahesh Shah as President and U.K. Chaudhary as Vice-President of the Institute.

#### 3.2 Composition

All Council Members continued to hold office during the year under report.

#### 3.3 Meetings

The Council held five meetings during the year, apart from the various Committee meetings.

#### 3.4 Committees, etc.

The Council constituted three Standing Committees and six other Committees. The Council

also constituted various specialised Groups and Advisory Boards to assist the Council. The composition of these Committees, Groups and Advisory Board is given in Appendix 'A' to the Report.

#### 4. REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

##### 4.1 Regional Councils

The four Regional Councils constituted by the Council for assisting it in its efforts had been smoothly performing their functions during the year. These Regional Councils had been conducting conferences, seminars and meetings, providing services such as oral coaching and Secretarial Modular Training Programmes for students, library facilities, career counselling, publication of regular news bulletins and providing assistance to Chapters under their jurisdiction. The activities of Regional Councils and Chapters are regularly reported in regional newsletters and in 'Chartered Secretary'. The reserves and surplus of each Regional Council, alongwith the number of students and members in each Region as on 31st March, 1994, are given in Appendix 'B' to the Report.

##### 4.2 Chapters

The 36 Chapters duly constituted under the jurisdiction of four Regional Councils conducted activities locally during the year for the education and training of students and professional development of members. During the year, Bhopal Chapter acquired its own premises.

##### 4.3 Presentation of Best Chapter Awards

At the Inaugural Session of the Second International Conference and 21st National Convention of Company Secretaries on 14th October, 1993 at Madras, S. Balasubramanian, Chairman Company Law Board and N. Sanker, past President, ASSOCHAM and Vice-Chairman & Managing Director, Chemicals & Plastics India Ltd. presented National and Regional Best Chapter awards for the years April-December, 1991 and January-December, 1992 as under :

##### APRIL-DECEMBER, 1991

National Best Chapter and  
RBGM Modi Best Chapter : Chandigarh

Regional Best Chapters

East : Bhubaneswar

North : Chandigarh

South : Thiruvananthapuram

West : Pune

##### JANUARY-DECEMBER, 1992

National Best Chapter and  
RBGM Modi Best Chapter : Thiruvananthapuram

##### Regional Best Chapters

East : Bhubaneswar

North : Chandigarh

South : Thiruvananthapuram and  
Hyderabad

West : Pune

#### 5. MEMBERS

##### 5.1 Membership

During the year, 584 persons were admitted as Associate Members and 172 Associates were admitted as Fellow Members. As on 31st March, 1994; the Institute had on its Register 9238 members comprising 7119 Associates and 2209 Fellows. The number of members residing abroad as on 31st March, 1994 were 166. The Council regrets to report the death of 15 members during the year.

##### 5.2 Certificates of Practice

Certificates of Practice were issued to 159 members during the year. As on 31st March, 1994, 699 members were holding certificates of practice as against 609 as on 31st March, 1993.

##### 5.3 Growth of Members

A table showing the statistics on members and those holding certificates of practice, is given as Appendix 'C' to the Report.

##### 5.4 List of Members

In pursuance of section 19(3) of the Act read with Regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982, a complete list of members as on 1st April, 1994 has been published and supplied to members on request. This time the list includes residential addresses, telephone numbers and fax numbers of the members alongwith the professional addresses for better communications among the members.

##### 5.5 Directory of Company Secretaries in Practice

A Directory of Company Secretaries in Practice as on 31st October, 1993 was published.

##### 5.6 Disciplinary cases pertaining to Members

During the year under review, three complaints against the members alleging professional or other misconduct were received. The Council continues to strive to maintaining identified code of conduct of members by paying due homage to the code of conduct and ethics expected of members.

#### 6. PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

As part of professional development activities, seven professional development programmes (in-



cluding the Second International Conference) were organised as per details given in Appendix 'D' to the Report.

## 7. PUBLICATIONS

### 7.1 'Chartered Secretary'

Institute's prestigious monthly journal 'Chartered Secretary' continued to bring laurels to the Institute by its timely appearance. During the period under review, four special issues were brought out on 'Budget', 'Companies Bill', 'Financial Sector' and 'Silver Jubilee of ICSI' which were very well received. The Editorial Advisory Board of the journal was reconstituted and the Board continued its close monitoring on the contents of the Journal. Chartered Secretary Best Article awards in Legal, Management and Finance & Accounts disciplines for the year 1992 were distributed at the inaugural session of the 21st National Convention and Second International Conference. The Silver Jubilee Prize Article Scheme was further extended upto 31st October, 1993 whereafter the articles received were taken up for screening for the award of various prizes. A consolidated list of members holding Certificate of practice was published for the first time in May, 1993 issue.

### 7.2 Guidance Note on SEBI Guidelines

The Institute had brought out a Guidance Note on Capital Issues in the year 1992. After publication of the Guidance Note a number of further clarifications were issued by SEBI. Hence a revised Guidance Note on SEBI Guidelines was brought out in March, 1994 incorporating the upto-date amendments in the SEBI Guidelines.

### 7.3 Manual on Capital Issues in the light of SEBI Guidelines

Revised and updated edition of the Manual on Capital Issues in the light of SEBI Guidelines was also brought along with the Guidance Note on SEBI Guidelines during the year with a view to providing a complete and comprehensive reference on capital issues by incorporating the revised Guidance Note on SEBI Guidelines and upto-date Rules and Regulations, Guidelines, Circulars, etc. concerning capital issues.

### 7.4 Research Study on Directors' Replies to Qualifications in Auditors' Report.

The Research Study on Directors' Replies to Qualifications in Auditors' Report undertaken by the Directorate of Studies, Research & Publications was completed during the year and published in March, 1994.

7.5 The Publications Division of the erstwhile Directorate of Research, Studies and Publications continued to concentrate its efforts on the printing

and publication of Study Material, Research Publications as well as the monthly Journal and Bulletin. Besides printing and publication for the first time the study material for the newly introduced Foundation Course, various study material relating to Intermediate and Final course were reprinted and made available to students in time. Guide-line Answers for June and December sessions, the Souvenir, Background papers for the 21st National Convention as also the Background material for the National Seminar on Companies Bill were got printed in time besides other publicity material, brochures, Handbook/Prospectus relating to Company Secretaryship course and Foundation course.

## 8. EXPERT ADVISORY GROUP

### 8.1 Expert Advisory Group.

The Expert Advisory Group reconstituted under the Chairmanship of Justice M.S. Gujral, former Chief Justice of Sikkim High Court continued to render expert advisory services to members on intricate problems relating to Company Law, Industries (Development & Regulation) Act, Securities Contracts (Regulation) Act, Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, Foreign Exchange Regulation Act and Capital Markets.

### 8.2 Core Group of Experts

The Core Group of experts as constituted earlier on the basis of subject specialisation in the areas of Company Law, Capital Markets, Taxation and Accounting & Finance continued to render services this year also. The Core Groups have been constituted to elicit comments from members/experts for finalisation of representations to the Government/Stock Exchange(s)/Committees/Study groups constituted by the Government and other institutions. Regional Coordinators have also been appointed to seek comments of members/experts at the regional level for assisting the core groups at headquarters. With a view to broad basing the core groups, experts from the universities and other reputed professional/research organisation as well as officials of the Central Government dealing with subjects concerned have also been included in Core Groups.

## 9. Recognitions to the Profession.

9.1 The President of the Institute was appointed by the Government of India, Ministry of Law, Justice & Company Affairs as a member of the three committees constituted in the Department of Company Affairs to review the Companies Act, MRTP Act and the Acts relating to ICSI, ICAI and ICWAI and also as a member of the Committee constituted to make recommendations regarding the manner of utilisation of the Investors Protection Fund proposed to be established under clause 329 of the Companies Bill, 1993.

9.2 The practising side of the profession secured further recognitions from SEBI. Company Secretaries in Practice have been recognised for granting certificate to the effect that the company has received the promoters' contribution before the date of the opening of public issue.

9.3 Manomaniam Sundaranar University, Tirunelveli has recognised the Company Secretaries qualifications of the Institute as equivalent to Post Graduate Degree for the purpose of registration to the Ph. D. Degree in Commerce and allied disciplines from their University.

9.4 Recognition has also been granted by Indian Overseas Bank during the year under review. The bank has conveyed its decision to consider special promotion of employees from clerical to officer cadre—junior management grade scale I, for those who have passed the final examination of the Institute and apply for promotion having put in minimum period of three years of satisfactory service in the bank.

#### 9.5 Post Membership Qualification Courses.

The proposal of the Institute to introduce Post Membership Qualification Courses submitted to the Government in 1990 did not receive the requisite response inspite of constant follow up. A proposal to introduce Post Membership Qualification course in Capital Markets and Financial Services, designed to enable the members to develop a high level of expertise in this emerging area, has also been substituted to the Government for its approval.

### 10. EMPLOYMENT OPPORTUNITIES

The Institute continues to publicise the significant role played by its members through interaction with Chambers of Commerce, Bureaux of Public Enterprises and other bodies. The institute is also continuing its efforts with the Department of Banking for securing career progression of members working in banks and also for appointment of our members to Finance, Accounts, Legal and Merchant Banking Divisions of various banks. The Institute, its Regional Councils and Chapters continue to provide employment services to companies under the Employment Service Scheme furnishing lists of members for employment. During the year under review, 78 companies availed of the facility of obtaining panel of suitable candidates, from the Employment Service Scheme maintained by the Institute. Such companies have been encouraged to advertise in 'Chartered Secretary' for obtaining a wider panel of candidates.

### 11. TWENTYSECOND NATIONAL CONVENTION OF COMPANY SECRETARIES

As decided by the Council the 22nd National Convention of Company Secretaries was held from 11

to 13th August, 1994 at Panaji, Goa on the theme 'New Frontiers of International Business and Company Secretary'.

### 12. STUDENTS SERVICES

#### 12.1 Registration

During the year under report, 16,601 students were registered as compared to 13,615 during the previous year. The number of students whose registration was current as at the end of the year was 65,385 including 407 students whose registration was extended under Regulation 21(3). Appendix 'E' to the Report gives the tables relating to the number of registered students as well as those who have completed the Intermediate and Final examinations. There has been an increase of 18 per cent in the new registrants in the year 1993-94 vis-a-vis 1992-93.

#### 12.2 Introduction of Foundation Course

In tune with the National Policy of Education, the Institute introduced the facility of Foundation Course for 10+2 students with effect from 20-8-1993. As a consequence, graduation is no longer the pre-requisite for pursuing company secretaryship course. With the introduction of Foundation Course the Preliminary examination stands discontinued from December 1993 onwards. All graduates are eligible for direct admission to the Intermediate course. Under-graduates are, however, required to pass the Foundation Course examination before becoming eligible to seek registration for the main course viz. Intermediate and Final examination. Till 31-3-1994, 7470 candidates were admitted to the Foundation Course which is of 8 months duration.

#### 12.3 Coaching

All the students registered during the year were enrolled for undergoing Compulsory Postal Tuition, 11,672 coaching completion certificates were issued during the year and 1,24,414 response sheets were evaluated and returned to the students. As a step in the direction of decentralisation of activities relating to the students services during the year, all the Regional Councils excluding WIRC continued to provide the facility of local evaluation of response sheets for the Intermediate course. SIRC provided the facility of local evaluation of response sheets for the Final Course also.

#### 12.4 Guideline Answers and Topic-wise Questions.

Guideline Answers for June, 1993 and December, 1993 examinations and the topic-wise questions on all subjects of Intermediate and Final examination were also made available during the year under report.



## 12.5 Student Company Secretary

Student Company Secretary, the monthly bulletin meant to update the knowledge of the students was also published regularly during the year under review. The bulletin was also brought under the jurisdiction of an Editorial Advisory Board in order to improve its contents.

## 12.6 C.S. Foundation Course Bulletin

The first issue of the new bi-monthly titled 'C.S. Foundation Course Bulletin' was also brought out in February, 1994.

## 12.7 Study Material for the Foundation Course

Study materials for all the four papers of the Foundation Course were brought out to facilitate the students.

## 12.8 New Study Material for Intermediate and Final Courses

Consequent to the introduction of Foundation Course the existing syllabus for the Intermediate and the Final course was also rationalised/restructured and the revised study materials as per the new syllabus, made effective from June, 1994 examination, were brought out on all the subjects of Intermediate and Final Course. Besides, supplementary study lessons, incorporating the changes, updates, were also brought out in majority of the subjects, to enable the students to make use of their old study material wherever possible.

## 12.9 Providing the Facility for Oral Tuition Classes

During the year under report the facility of oral tuition classes was provided to the students at 38 centres all over India by the Regional Councils/Chapters and ICSI Collaborative Oral Tuition Centres. With the Introduction of Foundation Course, the network is likely to be expanded so as to cover more number of cities where oral tuition classes would be held.

## 12.10 Library Facilities

The Institute has been able to update library facilities for its students at all the four Regional Offices, 36 Chapters and the ICSI Collaborative Oral Tuition Centres at Rourkela, Ganjam (Orissa), Ambala, Calicut & Nasik and at Gurgaon & Vijayawada, under the Satellite Library Scheme. Continuous efforts are being to keep these libraries upto-date and also for opening more libraries at other places.

## 12.11 Headquarters Library

The library at the headquarters for research and reference by the Institute's faculty is being maintained with upto date information and efforts are on to equip it with the best available reference

material on the subjects of interest to the company secretaries profession.

## 12.12 A Guide to Company Secretary—Study and Examination

In order to guide the students as to how to study and prepare for the Company Secretaries Examination, the Institute brought out an exclusive publication for the students titled 'A Guide to Company Secretaryship-Study and Examination'. As a part of service to the student community, this booklet is being provided free of cost to all the students registered for pursuing company secretary course from 1st July, 1992 onwards.

## 12.13 Video Film on 'Career as Company Secretary'

For creating career awareness regarding the Foundation as well as main course of company secretaryship, the Institute has brought out a Video Cassette on "Career as Company Secretary". It is intended to be used as an audio visual aid while conducting career counselling and career awareness programme in every nook and corner of the country. This film was also broadcast by Doordarshan on National Network on 2nd August, 1994.

## 12.14 Career Counselling

A number of career counselling programmes were held during the year by the Headquarters and by Regional Councils/Chapters for the undergraduates, graduates & post-graduates. While providing career guidance about the company secretaryship course, necessary literature including brochure 'Career in Company Secretaryship' were distributed amongst the audience as well as the faculty members in various colleges/institutions. Similarly, brochures on Foundation Course were distributed among the 10+2 students in schools and undergraduates in colleges. Articles and write-ups were also published in a number of newspapers and professional journals apart from Radio and T.V. talks. Necessary information about the company secretaryship course was also provided to the University Employment Information and Guidance Bureaux in the country. Besides the above, the Headquarters and Regional offices also participated in the career exhibitions viz. 'Informex', India International Education Training & Career Fair, etc. These efforts are aimed at creating greater awareness about the company secretaries profession in all parts of the country. With the introduction of Foundation course, exclusive career counselling literature was prepared for distribution for the benefit of 10+2 students keeping in view their requirements

### 13. EXAMINATIONS

#### 13.1 Conduct of Examinations

During the year under report, the Institute conducted two examinations in June and December, 1993 in 36 centres in India and one centre abroad in Dubai. In June, 1993 session, 402 and 352 candidates completed the Intermediate and Final examinations respectively, while the corresponding figures for December, 1993 session were 708 and 446. The list of existing examination centres is given in Appendix 'F' to the Report.

#### 13.2 Statistics on Examinations

The statistics relating to the results indicating the number of candidates appeared, passed and their pass percentage in June and December, 1993 examinations are given in Appendix 'G' to the Report.

#### 13.3 Hindi Medium in Examinations

In pursuance of the Council's desire towards increased usage of Hindi in Company Secretaries examinations, the Institute has been allowing use of Hindi as an alternative medium at all levels of examination.

#### 13.4 All India Prize Awards

Amit Jain from Eastern Region and Prabhat Gupta from Northern Region, won the 'President's Gold Medal' for their outstanding performance in Final examinations held in June and December, 1993 respectively. The annual prize titled 'Pt. Nehru Birth Centenary Prize' was won by Amit Jain from Eastern Region. Prakash Ruia and Mukesh Kumar Somani, both from the Northern Region, bagged the 'President's Silver Medal' for their outstanding performance in the Intermediate examinations held in June and December, 1993 respectively. Besides, the particulars of all the winners of existing all-India prize awards as well as regional prize awards were announced in the "Student Company Secretary" bulletin as given in Appendix 'H' to the Report.

#### 13.5 Merit Certificates

Merit certificates were awarded to first ten top rank holders in the Intermediate and Final examinations held in June and December, 1993 and their particulars were published in "Chartered Secretary" and "Student Company Secretary".

#### 13.6 Merit Scholarship and Financial Assistance to Students

Pursuant to the existing Merit Scholarship Scheme, scholarship to eligible eight meritorious students were awarded in June, 1993 and to

fifteen students in December, 1993 examinations. Similarly, financial assistance under the Merit-cum-Means Assistance Scheme was granted to eligible candidates.

#### 13.7 Discontinuance of Examinations under the Old Syllabus

Consequent upon amendments made to the 'Company Secretaries Regulations, 1982' with effect from 29th August, 1993 inter alia abolishing the Preliminary examination forthwith and in its place introducing the Foundation Course for 10+2 (or its equivalent) pass candidates and rationalising the course contents of the Intermediate and Final examinations, the last examinations under the old syllabus in Intermediate and Final were held in December, 1993.

### 14. MANAGEMENT|PRACTICAL| APPRENTICESHIP TRAINING

#### 14.1 Empanelment

During the year under report, the number of companies recognised for imparting training was as under :

Region	Management Training	Practical Training
East	07	06
North	56	42
South	21	19
West	39	35
	123	102

In addition, 30 Company Secretaries in whole-time practice were registered to impart apprenticeship training. The names of three companies were deleted from the list.

Tables regarding the number of Companies recognised for training, company secretaries empanelled for providing apprenticeship training and number of students sponsored for undergoing various kinds of training are given in Appendix 'I' to the Report.

#### 14.2 Monitoring and Strengthening of Training

Efforts continued to enrol more companies for imparting the training and as a result sufficient number of companies have now been registered to impart management training and practical training to the Intermediate|Final passed students. For imparting apprenticeship training, services of Company Secretaries in full time practice are also available.

#### 14.3 Secretarial Modular Training Programme

During the year under report 18 Secretarial Modular Training Programmes were held, 2 by

EIRC, 3 each by NIRC & SIRC, 4 by WIRC and 1 each by Chandigarh, Jaipur, Ahmedabad, Pune, Hyderabad and Bangalore Chapters, which were attended in all by 537 candidates.

The modules/course material for the SMTP participants are being updated in tune with the changes that are taking place in the corporate sector. More emphasis is being given for question-answer/interaction between the faculty and the participants by holding mock exercises to make SMTPs more interesting and innovative. Lectures on Management Development themes especially on new techniques and for achieving managerial excellence, are regularly organised in SMTPs.

## 15. LIAISON AND PUBLIC RELATIONS

15.1 With a view to creating awareness about the Institute's activities as well as the company secretaryship examination, a separate Directorate of Public Relations was established during the year, which issued a number of press releases frequently in addition to release of Display Advertisements highlighting the FOUNDATION COURSE on an ALL INDIA basis. The Directorate was instrumental in procuring extensive publicity in the Press and the Electronic Media on the occasion of All India Launching of the Foundation Course. Press Conference, interviews on TV and All India Radio were aired in order to create mass awareness about the profession of company secretaryship. To provide a further boost to the Foundation Course, the Institute participated in a number of Career Guidance Fairs which proved to be a tremendous success. Colourful informative panels and charts on the various services imparted by the Institute were specially designed as permanent exhibition material for use during future CAREER FAIRS.

15.2 Liaison with various schools and colleges to accelerate the career counselling programmes was also maintained. Efforts were also made to publicise the company secretaryship course in the neighbouring countries viz., Nepal & Bhutan. Several meetings with leading industrialists as well as various Ministries were also coordinated during the year under review.

15.3 The deliberations of the 21st National Convention and 2nd International Conference were arranged to be widely covered by the Southern Press. The AIR & Madras Doordarshan Kendra also relayed a theme-related discussion on "Globalisation of Indian Economy". A Press-Meet was also successfully organised before the convention.

15.4 Wide coverage was also arranged for the inauguration of the ICSI-NIRC Building by the Hon'ble Lok Sabha Speaker, Shivraj Patil.

2252 GI/94—5

15.4.1 Dissemination of information regarding the election of the new President and the Vice-President along with their Messages won overwhelming response vide publicity in the leading newspapers and business magazines in both English and Hindi.

15.4.2 President's interviews to All India Radio, Doordarshan (9-2-94) and Business India Television (21-3-94) were telecast in order to spread the message of company secretaryship course as a **COURSE THAT LEADS STRAIGHT TO A CAREER.**

15.4.3 The President's Budget reactions were recorded by the Delhi Doordarshan on 1st March, 1994. These reactions were also reported by the Press.

15.4.4 Exclusive interviews to the Hindustan Times, The Hindu, UNI, PTI & Business India Magazine were also published from time to time which were aimed at timely flow of information about our profession and the Institute's objectives/activities to every nook and corner of the country. On the whole in the maiden year of its creation the Directorate of Public Relations were able to make significant contribution in terms of grand publicity for the Institute's activities.

## 16. ACCOUNTS

### 16.1 Income and Expenditure Account

The financial results for the year show a surplus of Rs. 82.67 lacs as compared to a surplus of Rs. 41.20 lacs for the previous year. The increase in surplus is mainly due to introduction of the Foundation Course effective from September, 1993.

### 16.2 Capitalisation of Fee

Following the existing practice, a sum of Rs. 2.10 lacs being the entrance fee received from the Fellow and Associate Members has been capitalised. The Capital Reserve at the end of the year stood at Rs. 30.82 lacs as against the previous year's figure of Rs. 28.72 lacs.

### 16.3 Fixed Assets Reserve

Keeping in view the existing practice, a sum of Rs. 1.83 lacs on account of donations for building fund has been appropriated directly to the Fixed Assets Reserve Account. On completion of the ongoing ICSI-NIRC Building Project during the year, the capital payments have remained quite high. As such, the amount of Rs. 1.83 lacs standing in the Fixed Assets Reserve has been utilised and transferred to the General Reserve. Leaving the above amount, the entire balance amount of Rs. 73.14 lacs spent on acquisition of land and construction of buildings has been met out of the General Reserve.



#### 16.4 General Reserve

The General Reserve which stood at Rs. 289.18 lacs at the end of the previous year, has risen to Rs. 431.37 lacs. The increase in Reserve includes the addition of surplus of Income over Expenditure amounting to Rs. 82.67 lacs for the year under report.

### 17. AUDITORS

M/s. Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were reappointed as auditors of the Institute to audit the accounts for the year ended 31st March, 1994 pursuant to the requirements of section 18(4) of the Company Secretaries Act, 1980. The auditors report is published along with the statements of accounts.

#### 17.1 Internal Audit

Keeping in view the increased developmental activities of the Institute, M/s. Thakur, Vaidyanath Aiyar and Co., Chartered Accountants, New Delhi have been appointed as internal auditors of the Institute for one year, effective from 1st January, 1994. The auditors have conducted the audit for the quarter ended 31st March, 1994.

### 18. LAND AND BUILDINGS

#### 18.1 ICSI-NIRC Building

The on-going construction work of the ICSI-NIRC building project has been completed and the building was inaugurated on 4th December, 1993. NIRC has completed the furnishing work and started conducting the oral coaching classes at the new premises.

#### 18.2 ICSI-WIRC Building

With the assistance of WIRC, the Institute has purchased a piece of land measuring 1975 sq. mt. from CIDCO at the Central Business District in New Bombay for setting up a Centre for Corporate Research and Training of ICSI-WIRC at a total lease premium of Rs. 26.55 lacs. The possession of the land from CIDCO has been taken over during the year and the developmental work on the land is in progress.

#### 18.3 Bhopal Chapter Office Premises

With the assistance of the Institute, the Chapter has purchased a ready built flat measuring 500 sq. ft. valuing Rs. 2.00 lacs at Anchor Mansion, 2nd floor 148 Zone II, M.P. Nagar, Bhopal for locating the Chapter office. After taking over the possession of the flat it was formally inaugurated on 5th December, 1993.

#### 18.4 Faridabad Chapter Land

The Chapter has purchased a piece of land measuring 500 sq. yards from Haryana Urban Development Authority, Faridabad at a total cost of Rs. 3.66 lacs in Sector 16-A, Faridabad. The whole of the purchase price, after getting the due assistance from the Institute has been released to Haryana Urban Development Authority. The issue of formal allotment letter and taking over of its possession are in progress.

#### 18.5 Capital Grants and Loans by the Institute

Out of the limited resources of the Institute, the Council has so far given capital grant of Rs. 77.63 lacs and loans of Rs. 63.09 lacs to the Regional Council and Chapters which have acquired or are in the process of acquiring their office premises worth Rs. 212.32 lacs. ICSI-NIRC building project and ICSI-WIRC's CCRT project are being financed jointly by the Institute and the respective Regional Councils. The Chapters have made or are making their own arrangements to raise the balance resources for completion of their building projects. The Council places on record its appreciation of the efforts undertaken by these Regional Councils/Chapters to acquire their own office premises in order to better equip themselves for further development of the profession. Efforts are also required to be made by these Regional Councils/Chapters to raise additional resources for proper furnishing and maintenance of the premises and to acquire modern office equipments for providing better services to the local members and students.

### 19. COMPANY SECRETARIES BENEVOLENT FUND

The Company Secretaries Benevolent Fund, registered as a Society by the Council in 1976 now has a strength of 1472 life members as on 31st March, 1994. During the year, the Fund has purchased a Group Insurance Policy on experimental basis from LIC for the purpose of providing financial assistance to an extent of Rs. 10,000 in the case of unfortunate death of the life member of the Fund. Capital Reserve and General Reserve of the Fund stood at Rs. 8.04 lacs and Rs. 5.31 lacs respectively as on 31st March, 1994.

### 20. FORMATION OF ICSI EMPLOYEES PENSION FUND TRUST

The Institute has formed a trust viz., "ICSI Employees Pension Fund Trust" during the year for the purpose of payment of due pension amount to the employees who retire after serving the Institute for a specified number of years as per the Service Rules. The amount due on account of pension liability as worked out by the Actuary have been transferred to the Trust.

## 21. EMPLOYEE WELFARE MEASURES

The Employees' Club, promoted in 1973, received annual financial assistance from the Council for its activities. During the year, advances amounting to Rs. 4.78 lacs were granted to employees for purchase of cars, scooters, construction of houses, etc. Apart from helping the employees to have their own Cooperative Group Housing Society, the Council has also assisted the promotion of Employees' Benevolent Fund for which grant of Rs. 10,000 has been made from the surplus of National Conventions every year, for the last eight years.

## 22. APPOINTMENT OF SECRETARY

The Council has appointed Dr. S.P. Narang who has earlier been the Sr. Director of Studies, Research and Publications in the Institute, as the Secretary of the Institute w.e.f. 1-1-1994.

## 23. FUTURE OUTLOOK

The Institute is very much alive of the challenges of the fast changing corporate scenario and is conscious about the need to strengthen the profession by exploring emerging areas for members. Efforts in this direction have already been initiated. On 26th May 1994, a high level meeting with SEBI proved very encouraging. Efforts are on to organise joint programmes with SEBI, secure representation of the Institute on the Secondary Market Advisory Committee of SEBI, appointment of Company Secretaries as compliance officers by merchant bankers handling large number of issues, etc. Besides, the Institute has taken initiative to have closer interaction with the captains of industry and marked the beginning by organising joint programme with Associated Chambers of Commerce and Industry

in India (ASSOCHAM). During the year, the Institute proposes to organise more joint programmes with other Chambers of Commerce and Industry as well so that the profession of company secretaries can have a wider exposure to industry, corporate sector and investor needs and thus be in a position to serve the corporate world better. The Council is also making efforts to explore the possibilities of conducting company secretaryship examination in South Africa and the day is not far when our Institute will emerge to be an international Institute.

## 24. ACKNOWLEDGEMENT

The Council places on record its gratitude to the Ministers and officers of the Central Government, particularly, the Department of Company Affairs and SEBI for their help, guidance and support to the development of the profession and the activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, financial, industrial and investment institutions, the corporate sector in general, and various Chambers of Commerce and Trade Associations and other agencies which have been increasingly inclined to avail of the services of members of the Institute and recognise their expertise in the field of corporate laws, finance, management and allied areas. The Council also places on record its deep appreciation of the assistance and cooperation of Regional Councils and Chapters and of the commitment and devotion to duty exhibited by all levels of officers and staff of the Institute.

For and on behalf of the Council  
of the Institute of Company Secretaries of India

Sd/-

(O. P. DANI)  
President

New Delhi

Date : 18-8-1994

**COMPOSITION OF STANDING AND NON-STANDING COMMITTEES AND ADVISORY  
BOARDS/GROUPS**

**I. STANDING COMMITTEES****1. Disciplinary Committee**

O.P. Dani	Chairman
R.D. Joshi	Member
Amit K. Sen	Member

**2. Examination Committee**

Dr. K.R. Chandratre	Chairman
A.K. Modi	Member
Harish K. Vaid	Member

**3. Executive Committee**

O.P. Dani	Chairman
Dr. K.R. Chandratre	Member
R. D. Joshi	Member
T.V. Padmanabhan	Member
Mahesh Shah	Member

**6. Regulations Committee**

O.P. Dani	Chairman
Dr. K.R. Chandratre	Member
R. Krishnan	Member
A.K. Modi	Member
T.V. Padmanabhan	Member
Amit K. Sen	Member

**7. Co-ordination Committee**

(for co-ordination with ICAI &amp; ICWAI)

O.P. Dani	Chairman
Dr. K.R. Chandratre	Member
Bipin S. Acharya	Member
D. Pullaiah	Member
M.S. Raghavan	Member
Mahesh Shah	Member
Pramod S. Shah	Member

**II. NON-STANDING COMMITTEES****4. Professional Development Committee**

O.P. Dani	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
D. Pullaiah	Member
M.S. Raghavan	Member
P.T. Rangamani	Member
Amit K. Sen	Member
Pramod S. Shah	Member
Harish K. Vaid	Member

**5. Training & Educational Facilities Committee**

Dr. K.R. Chandratre	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
R. Krishnan	Member
A.K. Modi	Member
T.V. Padmanabhan	Member
P.T. Rangamani	Member
Mahesh Shah	Member
Pramod S. Shah	Member

**III. ADVISORY BOARDS/GROUPS****8. Editorial Advisory Board**

R.N. Bansal	Chairman
Delep Goswami	Member
U.P. Mathur	Member
T.S. Krishna Murthy	Member
R.K. Pandey	Member
Amit K. Sen	Member
Dr. V.K. Singhania	Member
Harish K. Vaid	Member

Dr. S.P. Narang

(Editor &amp; Publisher)

**9. Export Advisory Group**

Justice M.S. Gujral (Retd.)	Chairman
R.N. Bansal	Member
S.S. Kumar	Member
C.R. Shah	Member
Shymal Sen	Member



## APPENDIX-B

FINANCIAL POSITION OF REGIONAL COUNCILS AND NUMBER OF STUDENTS/MEMBERS  
IN EACH REGION

Item		EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
(a) Financial Position					
Surplus for the year 1993-94	(Rs.)	2,92,027	63,061	95,572	49,879
Reserves and Surplus as on 31-03-1994	(Rs.)	9,90,119	3,85,531	13,03,047	6,59,658
(b) No. of Students and Members					
Students					
As on 31-03-1994 (Nos.)		12640	18150	18990	15530
As on 31-03-1993 (Nos.)		11800	16300	17430	14479
Members					
As on 31-03-1994 (Nos.)		1290	2359	2397	3282
As on 31-03-1993 (Nos.)		1166	2163	2365	3154

## APPENDIX-C

TOTAL NUMBERS OF ASSOCIATE/FELLOW MEMBERS AND CERTIFICATE OF PRACTICE  
HOLDERS

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
Associate Members	5657	6095	6364	6789	7119
Fellow Members	1600	1728	1943	2059	2209
Certificate of Practice Holders	1225	1188	1102	609	699

## APPENDIX-D

## CONVENTION/WORKSHOP/PROFESSIONAL DEVELOPMENT PROGRAMMES

1. Workshop on Certification by Company Secretaries under clause 312(3) of the Companies Bill, 1993—May 20, 1993 at New Delhi.
2. Professional Development Programme for company secretaries—May 31-June 1, 1993 at Bombay
3. National Seminar on Companies Bill, 1993—June 30-July, 1, 1993 at New Delhi.
4. Secnd International Conference and 21st National Convention of Company Secretaries on Globalisation of Indian Economy—October 14—16, 1993 at Madras
5. Orientation Programme in Central Excise—Law and Procedures—November 1—5, 1993 at New Delhi
6. One day Seminar on Industrial Growth, Financial Reforms and Foreign Investments—November 24, 1993 at Bombay
7. ICSI-ICAI Joint Professional Development Programme in Corporate Finance and Law—February 18-19, 1994 at Indore

## APPENDIX-E

## REGISTRATION OF STUDENTS

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
Total	157175	169337	182950	196565	213166
Current	52335	50860	55442	60081	65385

## NUMBER OF STUDENTS WHO COMPLETED INTERMEDIATE AND FINAL EXAMINATIONS

	1989-90	1990-91	1991-92	1992-93	1993-94
Intermediate	1151	709	901	845	1110
Final	779	908	449	620	798

## APPENDIX-F

## LIST OF EXISTING EXAMINATION CENTRES

## I. INDIA

1. AHMEDABAD	13. DELHI	25. MADRAS
2. ALLAHABAD	14. ERNAKULAM	26. MADURAI
3. BANGALORE	15. GHAZIABAD	27. MANGALORE
4. BARODA	16. GUWAHATI	28. NAGPUR
5. BHOPAL	17. HYDERABAD	29. PANAJI
6. BHUBANESHWAR	18. INDORE	30. PATNA
7. BOMBAY—I	19. JAIPUR	31. PONDICHERRY
8. BOMBAY—II	20. JAMMU	32. PUNE
9. CALCUTTA—I	21. JAMSHEDPUR	33. SHIMLA
10. CALCUTTA—II	22. JODHPUR	34. THIRUVANANTHPURAM
11. CHANDIGARH	23. KANPUR	35. TIRUCHIRAPALLI
12. COIMBATORE	24. LUCKNOW	36. VISAKHAPATNAM

## II. FOREIGN

1. DUBAI

## APPENDIX-G

## STATISTICS ON STUDENTS APPEARED AND PASSED IN EXAMINATIONS

## I-June 1993 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass % age
PRELIMINARY	60	0	0.00
INTERMEDIATE †			
GROUP-I	3235	474	14.65
GROUP-II	4942	740	14.97
FINAL ‡			
GROUP-I	832	309	37.13
GROUP-II	934	417	44.64
GROUP-III	1307	325	24.86

† 1306 candidates appeared for both groups out of whom 54 candidates passed both groups (4.13 per cent)

‡ 160 candidates appeared for all groups out of whom 21 candidates passed all groups (13.12 per cent)

## II-December 1993 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass % age
INTERMEDIATE †			
GROUP-I	3488	751	21.53
GROUP-II	5126	1136	22.16
FINAL ‡			
GROUP-I	833	451	54.14
GROUP-II	897	388	43.25
GROUP-III	1498	456	30.44

† 1672 candidates appeared for both groups out of whom 107 candidates passed both groups (6.51 per cent)

‡ 212 candidates appeared for all groups out of whom 28 candidates passed all groups (13.2 per cent)

## APPENDIX-H

## ALL INDIA PRIZE AWARDS FOR COMPANY SECRETARIES EXAMINATIONS AWARDED DURING THE YEAR 1993-94

Sl. No.	Name of the Award and Sessions	Name of the Winner
1.	President's Gold Medal June, 1993 December, 1993	Amit Jain, Calcutta Prabhat Gupta, Jaipur
2.	C.C. Sutharia's Cash Award June, 1993 December, 1993	Amit Jain, Calcutta Prabhat Gupta, Jaipur
3.	Rai Bahadur Seth Gujarmal Modi Memorial Award June, 1993 December, 1993	Deepak Jain, Calcutta Vinod, Jain Jodhpur

1	2	3
4.	Saraswati Dhanuka Memorial Award June, 1993 December, 1993	None Moushumi Chakravorty (Ms.), Calcutta
5.	Smt. Bondada Samanthakamani Memorial Silver Medal December, 1993	None
6.	D.L. Mazumdar's Silver Medal June, 1993  December, 1993	Co-winners (i) Amit Jain, Calcutta (ii) Rajesh Kumar Agarwal, Jaipur Raj Kumar Sharma, Calcutta
7.	D.L. Mazumdar's Silver Medal June, 1993 December, 1993	Amit Jain, Calcutta Vinod Jain, Jodhpur
8.	Past President Chinubhai R. Shah's Silver Medal June, 1993 December, 1993	Deepak Jain, Calcutta Co-winners (i) Prabhat Gupta, Jaipur (ii) Vinod Jain, Jodhpur
9.	Taxmann's Prize Award June, 1993 December, 1993	Amit Khandelwal, Calcutta Prabhat Gupta, Jaipur
10.	Vidyanand Mehta Memorial Award June, 1993  December, 1993	Co-winners (i) Sampat Raj Chaplot, Bombay (ii) Sunil Kumar Beriwal, Calcutta Raj Kumar Sharma, Calcutta
11.	J.B. Dani Memorial Award June, 1993 December, 1993	Amit Jain, Calcutta Prabhat Gupta, Jaipur
12.	Pt. Nehru Birth Centenary Annual Prize Award (Based on the results of December, 1992 and June, 1993) June, 1993	Amit Jain, Calcutta
13.	Mantaram Memorial Annual Prize of Rs. 5000 (Based on the results of June, 1993 and December, 1993) December, 1993	Prabhat Gupta, Jaipur
14.	President's Silver Medal June, 1993 December, 1993	Prakash Ruia, New Delhi Mukesh Kumar Somani, Delhi
15.	Maujiram Jain Memorial Award June, 1993 December, 1993	Gayatri Bhupal (Ms.), Calcutta Rupal Veerkumar Shah (Ms.), Bombay
16.	Taxmann's Prize Award June, 1993 December, 1993	Ganeshmal Tawari, Dt. Thane Co-winners (i) K. Badree, Madras (ii) Sanjeev Kumar Dugar, Calcutta

## APPENDIX-

## NUMBER OF COMPANIES/COMPANY SECRETARIES RECOGNISED FOR VARIOUS TRAININGS (CUMULATIVE)

	As on 31-3-90	As on 31-3-91	As on 31-3-92	As on 31-3-93	As on 31-3-94
Management Training	460	548	613	728	851
Practical Training	850	957	1035	1146	1248
Apprenticeship Training with Company Secretary in Practice	86	101	125	140	170

## NUMBER OF STUDENTS SPONSORED FOR VARIOUS TRAININGS (CUMULATIVE)

	As on 31-3-90	As on 31-3-91	As on 31-3-92	As on 31-3-93	As on 31-3-94
Management Training	125	129	123	192	193
Practical Training	519	664	625	518	611
Apprenticeship Training with Company Secretary in Practice	82	68	87	96	83

KHANNA & ANNADHANAM  
CHARTERED ACCOUNTANTS

706, AKASH DEEP, 26-A, BARAKHAMBA ROAD

P.O. BOX 648, NEW DELHI: 110 001

Tele : 3315110, 3315119 Grams : ALERT, New Delhi

## AUDITORS REPORT

We have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1994 and also the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date and report that:

- we have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
- the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of account; and
- in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements read with notes attached thereto or appearing thereon, give a true and fair view:
  - in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 1994; and
  - in the case of the Income and Expenditure Account, of the Surplus for the year ended on that date.

For KHANNA & ANNADHANAM  
Chartered Accountants

Sd/-

(K.N. Nag)

Partner

Place : New Delhi

Dated : 18-8-1994

2252 GI/94-6

## BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 1994

Particulars	Schedule	31st March, 1994			31st March, 1993		
		(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
<b>SOURCES OF FUNDS</b>							
Capital Reserve	1			30,81,825			28,72,225
Fixed Assets Reserve	2			—			—
General Reserve	3			4,31,36,527			2,89,17,556
<b>TOTAL</b>				<b>4,62,18,352</b>			<b>3,17,89,781</b>
<b>APPLICATION OF FUNDS</b>							
Fixed Assets	4						
Gross Block		3,58,94,142			1,94,68,502		
Less : Depreciation		75,51,591	2,83,42,551		58,91,804	1,35,76,698	
Add : Advance for purchase of land			3,00,000			15,59,000	
Buildings under construction			6,04,774	2,92,47,325		73,64,572	2,25,00,270
Investments	5			55,70,025			17,47,917
Current Assets, Loans and Advances							
Current Assets	6						
Interest accrued on investments		2,38,327			16,40,040		
Stock in hand		56,29,813			41,33,480		
Sundry Debtors		2,31,656			4,57,488		
Cash and bank balances		1,01,48,341	1,62,48,137		1,17,50,028	1,79,81,036	
Loans and Advances	7		84,24,683			30,88,757	
<b>TOTAL</b>			<b>2,46,72,820</b>			<b>2,10,69,793</b>	
Less : Current Liabilities and Provisions	8						
Current Liabilities		1,32,71,818			1,12,20,470		
Provisions		—	1,32,71,818	1,14,01,002	23,07,729	1,35,28,199	75,41,594
				<b>4,62,18,352</b>			<b>3,17,89,781</b>

ACCOUNTING POLICIES  
AND NOTES TO  
FINANCIAL STATEMENTS 14

As per our report of even date  
For KHANNA & ANNADHANAM  
Chartered Accountants

Sd/-  
(K.N. NAG)  
Partner

Sd/-  
(S.P. NARANG)  
Secretary

Sd/-  
(K.R. CHANDRATRE)  
Vice-President

Sd/-  
(O.P. DANI)  
President

Place : New Delhi

Dated : 18-8-1994



**INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT  
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1994**

Particulars	Schedule	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
<b>INCOME</b>			
Fees from Members and Students	9	3,57,33,848	2,47,34,431
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements		34,79,403	34,40,555
Sale of Publications		29,23,965	15,17,352
Interest on Investments		16,00,584	19,63,369
(Gross-Tax deducted at source 'Nil')			
Surplus from Convention		—	1,11,978
Income from Programmes		5,63,097	2,92,830
Other Incomes	10	2,94,776	1,36,421
<b>Total</b>		<b>4,45,95,673</b>	<b>3,21,96,756</b>
<b>EXPENDITURE</b>			
Establishment	11	1,30,88,279	1,15,55,891
Postal Tuition		59,46,169	36,27,262
Publications and Office stationery		16,48,527	14,76,943
Journal and Bulletin		32,26,533	25,73,188
Examinations		18,86,990	17,14,258
Communication	12	20,61,590	16,16,640
Grants to Regional Councils and Chapters		10,87,709	8,56,093
Travelling and Conveyance		14,13,365	11,26,568
Regional Offices		2,85,528	3,16,932
Depreciation	4	16,72,368	8,86,158
Students Scholarships and Awards		52,775	44,288
Professional Development Programmes and Training		5,42,130	2,68,993
Silver Jubilee		1,10,220	1,59,794
Foundation Course Launch		5,90,993	—
Other Expenses	13	27,15,618	18,53,382
		<b>3,63,28,794</b>	<b>2,80,76,390</b>
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		82,66,879	41,20,366
<b>TOTAL</b>		<b>4,45,95,673</b>	<b>3,21,96,756</b>

As per our report of even date  
For KHANNA & ANNADHANAM  
Chartered Accountants

Sd/-  
(K.N. NAG)  
Partner

Sd/-  
(S.P. NARANG)  
Secretary

Sd/-  
(K.R. CHANDRATRE)  
Vice-President

Sd/-  
(O.P. DANI)  
President

Place : New Delhi  
Dated : 18-8-1994

## Schedule 1

## CAPITAL RESERVE

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
As per last account	28,72,225	26,90,725
Add : Entrance Fees		
Associate Members	1,75,200	1,57,500
Fellow Members	34,400	24,000
	2,09,600	1,81,500
<b>TOTAL</b>	<b>30,81,825</b>	<b>28,72,225</b>

## Schedule 2

## FIXED ASSETS RESERVE

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
<b>(A) LAND</b>		
Contribution from Regional Councils/Chapters	5,97,250	8,29,000
Less : Transferred to General Reserve	5,97,250	8,29,000
	—	—
<b>(B) BUILDINGS</b>		
As per last account	—	3,75,536
Add : Contribution from		
Regional Councils/Chapters	58,36,188	6,57,809
Donations (direct)	1,83,253	13,102
	60,19,441	10,46,447
Less : Transferred to General Reserve		
Contribution from Regional Councils/Chapters	58,36,288	6,57,809
Construction cost borne by the Institute	1,83,253	3,88,638
	6,019,441	10,46,447
<b>(C) OTHER ASSETS</b>		
Contribution from Regional Councils/Chapters	7,562	15,000
Less : Transferred to General Reserve	7,562	15,000
	—	—
<b>TOTAL</b>	<b>—</b>	<b>—</b>

Note : The balance in the Fixed Assets Reserve of Rs.66.24 lacs transferred to General Reserve as per accounting policy No. 1

## Schedule 3

## GENERAL RESERVE

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
As per last account	2,89,17,556	2,29,06,743
Add: Transfer From Fixed Assets Reserve		
—Land	5,97,250	8,29,000
—Buildings	60,19,441	10,46,447
—Other Assets	7,562	15,000
	66,24,253	18,90,447
	3,55,41,809	2,47,97,190
Less: Additional grant to Regional Councils/Chapters upon conversion of building loans	6,72,161	—
	3,48,69,648	2,47,97,190
Add: Surplus as per Income and Expenditure Account	82,66,879	41,20,366
<b>TOTAL</b>	<b>4,31,36,527</b>	<b>2,89,17,556</b>

## Schedule 4

## FIXED ASSETS

## GROSS BLOCK

Items	Cost as on 1-4-93	Additions dur- ing the year	Sales/Adjust- ment during the year	Total cost as on 31-3-94
Land	22,65,903	27,53,750	—	50,19,653
Buildings	1,16,09,269	1,28,83,282*	—	2,44,92,551
Cycle/Scooter Shed	19,993	—	—	19,993
Furniture and Fixtures	12,91,124	1,52,045	—	14,53,169
A/C Installation and Coolers	9,41,312	—	—	9,41,312
Computers	6,21,945	3,02,220	—	9,24,165
Electrical Equipment	2,18,860	19,525	—	2,38,385
Office Equipment	12,37,188	1,54,245	14,825	13,76,608
Other Equipment	20,988	620	—	21,608
Library Books	10,18,005	1,33,478	—	11,51,483
Vehicles	2,23,915	31,300	—	2,55,215
<b>This Year Total</b>	<b>1,94,68,502</b>	<b>1,64,40,465</b>	<b>14,825</b>	<b>3,58,94,142</b>
<b>Previous Year Total</b>	<b>1,79,12,172</b>	<b>17,09,979</b>	<b>1,53,649</b>	<b>1,94,68,502</b>
Advance for purchase of land	15,59,000	14,94,750	27,53,750**	3,00,000
Buildings under construction (including advances)	73,64,572	57,96,079	1,25,55,877***	6,04,774
<b>This Year Total</b>	<b>89,23,572</b>	<b>72,90,829</b>	<b>1,53,09,627</b>	<b>9,04,774</b>
<b>Previous Year Total</b>	<b>28,42,426</b>	<b>62,81,146</b>	<b>2,00,000</b>	<b>89,23,572</b>

\* Includes Rs. 1.27 lacs additional cost paid during earlier years, capitalised during the year.

\*\* Capitalised to Land this year.

\*\*\* Capitalised to Buildings this year.

Schedule 4  
(contd.)

DEPRECIATION				NET BLOCK	
As on 1-4-93	For the year	Adjustment during the year	Total depreciation	As on 31-3-94	As on 31-3-93
—	—	—	—	50,19,653	22,65,903
26,34,931	10,92,882	—	37,27,813	20,764,738	89,74,338
19,762	77	—	19,839	154	231
7,86,091	1,67,376	—	9,53,467	4,99,702	5,05,033
6,92,488	37,323	—	7,29,811	2,11,501	2,48,824
1,45,192	1,16,846	—	2,62,038	6,62,127	4,76,752
1,20,685	18,821	—	1,39,506	98,879	98,175
7,06,254	1,10,570	12,581	8,04,243	5,72,365	5,30,934
12,883	1,836	—	14,719	6,889	8,105
7,97,774	88,743	—	7,96,517	3,54,966	3,10,231
65,744	37,894	—	1,03,638	1,51,577	1,58,171
58,91,804	16,72,368	12,581	75,51,591	2,83,42,551	1,35,76,698
50,68,184	8,86,158	62,538	58,91,804	1,35,76,698	—
—	—	—	—	3,00,000	15,59,000
—	—	—	—	6,04,774	73,64,572
—	—	—	—	9,04,774	89,23,572
—	—	—	—	89,23,572	—

## Schedule 5

## INVESTMENTS—AT COST

	31-3-1993 (Rs.)	Additions (Rs.)	Deletions (Rs.)	31-3-1994 (Rs.)
Bonds of Public Sector Undertakings				
National Thermal Power Corpn. Ltd.	5,07,917	—	—	5,07,917
	10,000*	—	—	10,000*
Mahanagar Telephone Nigam Ltd.	2,00,000	4,980,000	200,000	49,80,000
Indian Petro-chemicals Ltd.	10,00,000	—	10,00,000	—
Hindustan Photofilms Mfg. Co. Ltd.	10,000*	—	—	10,000*
National Hydro-Power Corporation Ltd.	20,000*	—	—	20,000*
Unit Trust of India				
2550 Units of US-64	—	42,108*	—	42,108*
Total	17,47,917	50,22,108	12,00,000	5,570,025

Note.—1. Market value of bonds of public sector undertakings as on 31-3-1994 is not available.

2. Bonds of Mahanagar Telephone Nigam Ltd. having a face value of Rs. 51 lacs were purchased at a cost of Rs. 49.80 lacs

\* earmarked for prize Awards.

## Schedule 6

## CURRENT ASSETS

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
INTEREST ACCRUED ON INVESTMENT	2,38,327	16,40,040
STOCK (Valued at cost as certified by the Management)		
(a) Publications	8,20,082	6,54,927
(b) Paper	26,69,146	15,01,458
(c) Study Material	16,20,541	15,14,828
(d) Others	5,20,044	4,62,267
	56,29,813	41,33,480
SUNDRY DEBTORS (Unsecured)		
(a) Considered good		
Outstanding for more than six months	22,970	65,690
Others	2,08,686	3,91,798
	2,31,656	4,57,488
(b) Considered doubtful	2,300	5,695
Less—Provision for Bad and Doubtful Debts	2,300	—
	—	5,695
	2,31,656	5,695
CASH AND BANK BALANCES		
(a) Cash, Cheques, Drafts, Postal Stamps in hand	3,75,011	1,04,590
(b) With Scheduled banks		
In savings bank accounts	41,40,730*	86,13,438
In short term deposits	56,00,000	30,00,000
In long term deposits	32,600	22,000
	97,73,330	1,16,45,438
	1,01,48,341	1,17,50,028
TOTAL	1,62,48,137	1,79,81,036

\*Includes Rs. 46,792 earmarked for Prize Awards.

## Schedule 7

## LOANS AND ADVANCES (UNSECURED—CONSIDERED GOOD)

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
LOANS		
Regional Councils/Chapters for Buildings	63,75,189	10,71,288
ADVANCES		
Employees	12,41,549	10,67,869
Regional Councils/Chapters	—	1,12,141
Others	2,17,046	3,77,800
PREPAID EXPENSES	3,65,308	2,83,988
SUNDRY DEPOSITS	2,25,591	1,75,671
TOTAL	84,24,683	30,88,757

## Schedule 8

## CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

	31st March, 1994 (Rs.)	31st March, 1993 (Rs.)
<b>LIABILITIES</b>		
Students Registration fee received in advance	81,23,167	70,89,058
Other amounts received in advance	2,21,435	1,80,927
Payable Regional Councils/Chapters	5,91,567	8,98,059
Sundry Creditors	3,49,892	2,02,674
Expenses Payable	31,70,697	17,78,598
Hospitalisation Scheme	62,200	45,200
Benevolent Funds		
Company Secretaries	47,902	41,208
Employees	15,674	52,927
		94,135
Deposits received for prize awards (per contra)	1,61,400	72,000
Donations Reallocated	73,611	2,00,209
Gratuity Trust	4,39,740	6,59,610
Pension Trust	14,433	—
	1,32,71,818	1,12,20,470
<b>PROVISIONS</b>		
Pension	—	23,07,729
<b>TOTAL</b>	1,32,71,818	1,35,28,199

## Schedule 9

## FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
<b>MEMBERS</b>		
Annual Fees	24,30,805	22,82,670
Other Fees	19,150	30,550
	24,49,955	23,13,220
Less : Allocation to Journal	9,98,096	7,95,870
	14,51,859	15,17,350
<b>STUDENTS</b>		
Registration Fees	55,59,216	32,76,811
Exemption Fees	15,99,416	13,01,307
Postal Tutition Fes	2,16,80,974	1,39,82,239
Examination Fees	57,99,668	52,19,673
Licentiate Fees	1,14,220	1,02,293
Other Fees	2,38,035	1,88,742
	3,49,91,529	24,071,065
Less : Allocation to Bulletins	7,09,540	8,53,984
	3,42,81,989	2,32,17,081
<b>TOTAL</b>	3,57,33,848	2,47,34,431



## Schedule 10

## OTHER INCOMES

	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
Interest on staff advances	33,069	50,876
Expert Advisory services	5,000	3,000
Donations	2,000	—
Excess provision written back	1,96,667	52,720
Surplus on disposal of assets	5,899	—
Miscellaneous Income	52,141	29,645
<b>TOTAL</b>	<b>2,94,776</b>	<b>1,36,241</b>

## Schedule 11

## ESTABLISHMENT

	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
Salaries and Allowances	1,11,47,616	99,47,404
Contribution to : Provident Fund	4,11,611	4,13,561
Gratuity Fund	1,88,260	1,45,772
Pension Fund	4,92,901	4,47,300
Staff Welfare	8,47,891	5,74,854
<b>TOTAL</b>	<b>1,30,88,279</b>	<b>1,15,55,891</b>

## Schedule 12

## COMMUNICATION

	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
Postage and Telegrams	13,34,234	10,34,079
Telephone, Fax and Telex	7,27,356	5,82,561
<b>TOTAL</b>	<b>20,61,590</b>	<b>16,16,640</b>

## Schedule 13

## OTHER EXPENSES

	1993-94 (Rs.)	1992-93 (Rs.)
Advertisement and Publicity	98,085	43,252
Bank Charges	25,978	15,990
Electricity and Water	4,37,657	3,55,312
Insurance	22,251	17,749
Rent, Rates and Taxes	2,01,530	1,72,065
Repairs and Maintenance		
—Building	5,34,790	61,990
—Others	2,08,596	2,17,766
	<hr/>	<hr/>
Legal and Professional Charges	1,36,636	1,79,235
Vehicle Maintenance	66,373	58,989
Office Expenses	2,69,930	1,95,182
Computerisation		
—Data processing	2,00,668	1,51,037
—Software	12,400	15,500
	<hr/>	<hr/>
Meetings	96,499	75,484
Packing, Cartage and Freight	2,76,177	1,90,188
Loss on Sale/Disposal of Assets	—	5,855
Contribution to MRTP Seminar	—	46,698
Security Services	56,976	36,090
Audit Fees	15,000	15,000
Sundry Expenses	54,622	—
Provision for Bad and Doubtful Debts	1,450	—
	<hr/>	<hr/>
<b>TOTAL</b>	<b>27,15,618</b>	<b>18,53,382</b>

## Accounting Policies and Notes to Financial Statements

## (A) Accounting Policies

## 1. Donations and contribution by Regional Councils/Chapters

Direct donations and contribution by Regional Councils/Chapters towards purchase of land/building and other assets are credited to "Fixed Assets Reserve". Funds actually utilised towards purchase of such assets are transferred to "General Reserve".

## 2. Fees

(a) Entrance fee from Associate and Fellow members is capitalised when received and reflected under "Capital Reserve".

(b) Fees received from members is accounted for to the extent received. Fees received in advance is carried over as a liability.

(c) Fees received from students is accounted for on receipt basis except registration fee which is taken to income equally over a five year period.

## 3. Investments

Investments are stated at cost.

## 4. Fixed Assets

(a) Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the following rates.

	%
Building	5
Furniture and Fixtures	10
Air Conditioners/Coolers,	15
Computers and Other Equipments	
Library books	20
Vehicles	20
Sheds	33 1/3

Depreciation on additions is charged for the full year.

(b) Effective from 1-4-1993, fixed assets, except library books, costing Rs 5,000 or less are fully depreciated.

## 5. Inventories

(a) Stock of paper and publications are valued at cost.

(b) Stock of study materials are valued at cost less 10% for obsolescence.

## 6. Pension

Contribution to Pension Fund Trust is made on the basis of actuarial valuation.

## 7. Gratuity

Contribution to Gratuity Trust is made in accordance with the Group Gratuity Scheme of the Life Insurance Corporation of India.

## 8. Interest

(a) Interest on investments on cumulative Bonds of Public Sector Undertakings and other investments is taken to income on accrual basis.

(b) Interest earned on investment of surplus funds against fixed assets as a part of overall investment of funds is calculated on the basis of average funds available during the year and credited to Fixed Assets Reserve.

(c) Interest on loan to employees is accounted for on cash basis.

**(B) Notes to Financial Statements**

1. Application for exemption under section 10(23c)(IV) of the Income Tax , Act, 1961 in respect of the year ended 31-3-1989 and for subsequent years is pending reconsideration before the Government of India. The Institute has filed returns under section 10(22) of the Income Tax Act, 1961 in respect of the years ended 31-3-1991, 31-3-1992 and 31-3-1993. Assessment for the year ending 31-3-1991 has been completed at "Nil" income. Assessment for the remaining years are pending. In view of the assessment completed, no provision for tax has been made in the accounts.
2. In respect of the building constructed at Prasad Nagar, New Delhi, the Arbitrator vide his order dated 7-9-1993 has awarded a sum of Rs. 12.67 lacs plus interest at 12% p.a. on Rs. 6.07 lacs (included in Rs. 12.67 lacs) from 10-7-1991 to 7-9-1993 in favour of the contractors against claims of Rs. 57.21 lacs preferred against the Institute. The Delhi High Court , on an objection filed by the Institute, has referred back the matter to the Arbitrator with direction to summon the Building Advisor for his evidence and to refer it back with his recommendations. Pending decision no provision has been made in the accounts for Rs. 12.67 lacs and interest awarded.
3. Freehold land measuring 500 sq. yards was allotted by the Haryana Urban Development Authority at Faridabad to Faridabad Chapter of the Institute at Rs. 3.65 lacs, which is subject to enhancement subject to the cost of land awarded by the competent authority/courts under the Land Acquisition Act. Advance made to the extent of Rs. 3.00 lacs is reflected in "Advances for purchase of Land".
4. Provision for property tax has been made in the accounts on the basis of the demand raised by Municipal Authorities and/or on estimation made by the Institute. The difference if any, between the amount provided and that would become payable will be accounted for in the year when the matters are finally decided.
5. The Institute from this year has fully depreciated assets costing Rs. 5,000 or less as against normal depreciation charged in the previous years. Due to this charge, additional depreciation of Rs. 1.10 lacs has been charged to the Income & Expenditure Account with a consequential effect on the surplus for the year.
6. Previous year's figures have been regrouped/rearranged wherever necessary.